लखनऊ

गुरुवार, 16 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 232

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जो रोज़ खुद को सुधारता है, वही कल किसी और के लिए प्रेरणा बनता है।"

TODAY WEATHER

DAY 28° Hi

NIGHT 17° Low

संक्षेप

'तकनीक नहीं ले सकती संवेदनशीलता की जगह', राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का युवा डॉक्टरों को संदेश

नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नागपुर स्थित एमस के दूसरे दीक्षांत समारोह में युवा डॉक्टरों को नवाचार, शोध और सतत सीखने को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च स्थान है और कोई भी तकनीक मानवीय संवेदना की जगह नहीं ले सकती। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि जिज्ञासा ही प्रगति की नींव है। चिकित्सा विज्ञान में नए समाधान खोजने की प्रेरणा डॉक्टरों को न केवल बेहतर पेशेवर बनाएगी, बल्कि सेवा के अधिक अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि डॉक्टरों में सेवा भावना के साथ-साथ आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए।

मुर्मू ने स्पष्ट किया कि तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण का विकल्प नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता बनाए रखें, यही आपको एक अच्छा डॉक्टर ही नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान भी बनाती है। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए कहा कि देश के बेटे-बेटियां मिलकर इस सपने को साकार करेंगे। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को मानवता की सेवा का विशेष अवसर मिला है, जिस पर उन्हें गर्व होना चाहिए और इसे

साउथ इंडिया की चिंता खत्म! परिसीमन पर केंद्र का वादा, नहीं होगा भेदभाव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून के कार्यान्वयन को लेकर कई राज्यों द्वारा उठाई गई चिंताओं को दूर करने का प्रयास किया है और आश्वासन दिया है कि इसके लागू होने पर किसी भी क्षेत्र को नुकसान नहीं होगा। केंद्र ने स्पष्ट किया है कि संसदीय सीटों में वृद्धि सभी राज्यों के लिए संतुलित और समानुपातिक तरीके से की जाएगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित बदलावों से यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक राज्य में प्रतिनिधित्व में समान वृद्धि हो। केंद्र ने संकेत दिया है कि राज्यों में सीटों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, जिससे विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों की उन आशंकाओं का समाधान होगा कि बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे अधिक आबादी वाले क्षेत्रों को अनुचित लाभ मिल सकता है। ये आश्वासन ऐसे समय में आए हैं जब सरकार 16 अप्रैल को संसद में एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा की सीटों की संख्या को वर्तमान 543 से बढ़ाकर लगभग 850 करना है। प्रस्तावित विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के प्रयासों का हिस्सा है। इसे संभव बनाने के लिए, केंद्र सरकार संविधान के अनुच्छेद 81 में संशोधन करने की योजना बना रही है, जिससे राज्यों से 815 और केंद्र शासित प्रदेशों से 35 तक सदस्य निर्वाचित हो सकेंगे। महिलाओं के लिए आरक्षण लागू होने से पहले परिसीमन प्रक्रिया होने की उम्मीद है, जिसके तहत जनसंख्या और अन्य कारकों के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया जाएगा।

लखनऊ में आग का तांडव, विकास नगर में 200 झुग्गियां जलकर खाक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गर्मी की शुरुआत के साथ ही आग लगने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। बुधवार को विकास नगर थाना क्षेत्र में जुग्गी-झोपड़ियों में भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि मौके पर फायर ब्रिगेड की आधा दर्जन गाड़ियां पहुंचीं और दमकल कर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे हैं। स्थानीय पुलिस भी राहत और बचाव कार्य में सहयोग कर रही है। मौके पर घटनास्थल पर लखनऊ डीएम और पुलिस कमिश्नर तक मौजूद हैं और पल-पल की अपडेट ले रहे हैं।

बता दें कि विकास नगर सेक्टर-14 में भीषण आग ने करीब 200 झुग्गी-झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी विकराल थी कि झोपड़ियों में रखे गैस सिलिंडर और रेफ्रिजरेटर के कंप्रेसर एक-के-बाद-एक धमाकों के साथ फटने लगे। पूरे इलाके में धुएं का गुबार और लपटें आसमान को छूती दिखाई दीं, जिससे स्थानीय लोग दहशत में आ गए।

फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियों मौके पर

घटना दोपहर करीब 2 बजे हुई, जब अचानक एक झोपड़ी से आग भड़की और हवा के साथ तेजी से फैलने लगी। पलक झपकते ही सैकड़ों झोपड़ियां आग की लपटों में घिर गईं। धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। कई लोगों ने बताया कि धमाकों की गूंज इतनी तेज थी कि पूरा इलाका थर्रा उठा। आग की सूचना मिलते ही लखनऊ फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं।

दूर-दूर तक दिखाई दिया काला धुआं

फायर ब्रिगेड की टीमें लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी हुई हैं। राहत-बचाव कार्य जोरों पर है। आग इतनी भयावह थी कि दूर-दूर तक काला धुआं दिखाई दे रहा था। झोपड़ियों में रहने वाले गरीब परिवारों का सारा सामान जलकर राख हो गया। जलती झोपड़ियों के पास खड़े होकर लोग रो-रोकर बिलख रहे थे। कई लोग बार-बार अपनी झोपड़ी की तरफ जाने की जिद कर रहे थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से उन्हें रोका जा रहा था।

फायर ब्रिगेड अधिकारी ने दी जानकारी

एक महिला ने बताया, सब कुछ जल गया बच्चे का स्कूल बैग, कपड़े, बर्तन कुछ नहीं बचा। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन नुकसान का आकलन किया जा रहा है। जिला प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने इलाके को घेर लिया है, ताकि कोई अनहोनी न हो। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने में अभी भी समय लग सकता है, क्योंकि झोपड़ियों में रखा सामान और सिलेंडर लगातार खतरा पैदा कर रहे हैं।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक भी घटनास्थल पर पहुंचे

वहीं हादसे की सूचना मिलते ही डिप्टी सीएम बृजेश पाठक मौके पर पहुंचे। बृजेश पाठक ने बताया कि मौके पर एंबुलेंस बुलाई गई हैं। DM को यह निर्देश दिए गए हैं कि जो रैन बसेरे हैं, उनको खाली कर दिया जाए। पीड़ित परिवारों को उसमें शिफ्ट किया जाए। परिवारों के भोजन और रहने की व्यवस्था की जाए। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से मेडिकल कैंप लगाया जा रहा है। घायलों को अस्पताल भेजा जा रहा है। हमारी पहली प्राथमिकता घायलों को समुचित इलाज देने की है। घटना कैसे हुई, इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं।

मौके पर पहुंचे लखनऊ DM- पुलिस कमिश्नर

मौके पर पहुंचे लखनऊ DM विशाख जी ने बताया कि शहर के बीच का एरिया में ये आग लगी थी। फिलहाल आग को कंट्रोल कर लिया गया है। हादसे में झुग्गी-झोपड़ियां में रखा कई लोगों का सामान जल गया। इन लोगों को रैन बसेरों और कल्याण मंडप में शिफ्ट किया जा रहा है। मौके पर नगर निगम, राजस्व विभाग, फायर ब्रिगेड और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौजूद हैं। कुछ लोग आग की चपेट में आकर झुलस गए हैं। घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं लखनऊ पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर की मानें तो अभी तक कोई जनहानि नहीं हुई है। 200 के आसपास झुग्गियां जली हैं। कुछ लोग झुलसे हैं, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अंतरिक्ष में बदलने वाला है शक्ति संतुलन, रूसी सहयोग से इसरो तैयार करेगा भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। हम आपको बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन एक स्वदेशी कक्षीय प्रयोगशाला होगी, जिसका उद्देश्य दीर्घकालिक मानव उपस्थिति, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में वैज्ञानिक अनुसंधान और भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों को गति देना है। इस परियोजना के तहत पहला मॉड्यूल वर्ष 2028 तक प्रक्षेपित करने की योजना है, जबकि पूरा स्टेशन वर्ष 2035 तक कार्यशील हो जाएगा। इसे पृथ्वी से लगभग 400 से 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा। यह स्टेशन पांच मॉड्यूलों से मिलकर बनेगा, जिनमें तीन से चार अंतरिक्ष यात्री नियमित रूप से रह सकेंगे और आवश्यकता पड़ने पर छह सदस्य भी अल्प अवधि के लिए रह सकते हैं। रूस के साथ सहयोग की पहल इस परियोजना की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हम आपको बता दें कि रूस के पास अंतरिक्ष स्टेशन निर्माण और संचालन का दशकों का अनुभव है। मीर अंतरिक्ष स्टेशन और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में उसकी भूमिका इस क्षेत्र में उसकी विशेषज्ञता को दर्शाती है। बताया जा रहा है कि भारत रूस से कक्षीय मॉड्यूल, जीवन समर्थन प्रणाली, संचार और ट्रैकिंग जैसी उन्नत तकनीकों में सहयोग चाहता है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि भारत और रूस के बीच अंतरिक्ष सहयोग का इतिहास भी बेहद मजबूत रहा है। वर्ष 1975 में भारत के पहले उपग्रह आर्यभट का प्रक्षेपण सोवियत संघ की सहायता से हुआ था। इसके अलावा राकेश शर्मा को अंतरिक्ष में भेजना, क्रायोजेनिक इंजन तकनीक उपलब्ध कराना और गगनयान मिशन के लिए प्रशिक्षण देना इस सहयोग की मिसालें हैं। यह संबंध दोनों देशों के बीच विशेष सामरिक साझेदारी का आधार रहा है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में इस परियोजना का महत्व और बढ़ जाता है। वर्तमान में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को वर्ष 2030 के आसपास सेवा मुक्त किए जाने की संभावना है, जबकि चीन का अपना अंतरिक्ष स्टेशन पहले से सक्रिय है। ऐसे में भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना उसे वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित करेगा और अंतरिक्ष में शक्ति संतुलन को प्रभावित करेगा। सामरिक दृष्टि से यह परियोजना भारत को अंतरिक्ष में स्थायी उपस्थिति प्रदान करेगी। इससे भारत न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान में अग्रणी बनेगा बल्कि अंतरिक्ष आधारित रक्षा और निगरानी क्षमताओं को भी मजबूत कर सकेगा। देखा जाये तो आधुनिक युद्ध और सुरक्षा तंत्र में अंतरिक्ष की भूमिका लगातार बढ़ रही है, ऐसे में यह स्टेशन भारत के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति साबित होगा। सुरक्षा के नजरिये से भी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन अत्यंत महत्वपूर्ण है। अंतरिक्ष आधारित संचार, नेविगेशन और निगरानी प्रणाली किसी भी देश की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ बन चुकी हैं। लगभग 80 उपग्रहों पर चल रहा कार्य आपदा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा और संचार व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

बंगाल चुनाव में मुर्शिदाबाद जिले में सबसे ज्यादा अर्धसैनिक बलों की तैनाती, चुनाव आयोग ने जारी किया सुरक्षा का ब्लूप्रिंट

कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से पहले निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए हैं, जिसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। आगामी 23 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए, आयोग ने रणनीतिक रूप से संवेदनशील इलाकों की पहचान करते हुए कुल 2,407 कंपनी केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात करने का निर्णय लिया है। इस भारी तैनाती का मुख्य उद्देश्य राज्य में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां राजनीतिक हिंसा का इतिहास रहा है। आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि इस बार सबसे अधिक ध्यान मुर्शिदाबाद जिले पर केंद्रित है।

'बंगाल में बाढ़ राहत के नाम पर करोड़ों का घोटाला' : टीएमसी पर भड़के अमित शाह, बोले- सत्ता में आने पर करेंगे वसूल

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज है। ध्यान देने वाली बात ये है कि जैसे-जैसे चुनाव के दिन नजदीक आ रहे हैं राजनीतिक पार्टियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी सातवें आसमान पर पहुंचती नजर आ रही है। इसी बीच अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल में चुनावी रैली के दौरान वीडियो संबोधन के माध्यम से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर जमकर निशाना साधा और बाढ़ राहत के नाम पर 100 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की तरफ से उत्तर बंगाल में बाढ़ राहत के लिए दिए गए 100 करोड़ रुपये की रकम में घोटाला हुआ है और

सत्ता में आने पर भाजपा यह पैसा वापस लेगी। शाह ने अपने बयान में गोरखा मुद्दे पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा बंगाल में सत्ता में आती है, तो दार्जिलिंग के गोरखा मुद्दे को प्राथमिकता से हल किया जाएगा। उन्होंने वादा किया कि गोरखा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर दर्ज सभी पुराने केस वापस ले लिए जाएंगे।

बता दें कि खराब मौसम के कारण शाह दार्जिलिंग के लेबोंग नहीं पहुंच सके, इसलिए उन्होंने मालदा से वीडियो संदेश के जरिए लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 21 अप्रैल को कर्सियांग में होने वाली रैली में वे खुद मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि उन्होंने गोरखा मुद्दे को सुलझाने के लिए केंद्र द्वारा बुलाई गई बैठकों में हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की अनदेखी के कारण यह समस्या अब तक बनी हुई है।

शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में घुसपैठ, गुंडाराज और माफिया राज खत्म किया जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने गोरखा समुदाय के लोगों पर झूठे केस दर्ज किए हैं, जिन्हें हटाया जाएगा। गौरतलब है कि दार्जिलिंग में लंबे समय से अलग गोरखालैंड राज्य की मांग चल रही है, जिसको लेकर पहले भी हिंसक आंदोलन हो चुके हैं। शाह ने भरोसा दिलाया कि भाजपा इस मुद्दे का स्थायी समाधान संविधान के दायरे में रहकर निकालेगी।

भाजपा के सम्राट चौधरी ने बिहार के नए सीएम के तौर पर शपथ ली, नीतीश कुमार का शासन खत्म

पटना, एजेंसी। बिहार की सियासत में आज एक नए युग का आगाज़ हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता सम्राट चौधरी ने बुधवार को बिहार के 21वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। इसके साथ ही राज्य में करीब दो दशकों से चले आ रहे 'नीतीश कुमार शासन' का औपचारिक अंत हो गया है। राजभवन के ऐतिहासिक प्रांगण में आयोजित एक भव्य समारोह में राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने सम्राट चौधरी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

चौधरी को राजभवन में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समारोह में भाजपा के शीर्ष नेता और गठबंधन के सहयोगी भी मौजूद थे। उनका मुख्यमंत्री बनना बिहार की राजनीतिक तस्वीर में एक बड़े बदलाव के बीच हुआ है, जिसमें भाजपा पहली बार सीधे तौर पर सरकार की कमान संभालने जा रही है।

JDU के मुखिया नीतीश कुमार, जो अब राज्यसभा सांसद हैं, ने मंगलवार को अपनी कैबिनेट भंग करने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। पिछली सरकार में, चौधरी उपमुख्यमंत्री थे और उनके पास गृह मंत्रालय जैसा अहम विभाग था, जिससे वे प्रशासन में एक महत्वपूर्ण हस्ती बन गए थे।

चौधरी, जो 2017 में भाजपा में शामिल हुए थे, मंगलवार को भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए थे। बिहार की जटिल राजनीतिक तस्वीर में उनके मुख्यमंत्री बनने का जातिगत महत्व भी है। चौधरी प्रभावशाली कोइरी समुदाय से मुख्यमंत्री पद संभालने वाले केवल दूसरे नेता बन गए हैं। पहले नेता सतीश प्रसाद सिंह थे, जिनका कार्यकाल 1968 में केवल पाँच दिनों का रहा था, जब कांग्रेस द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद उनकी गठबंधन सरकार गिर गई थी।

चौधरी अब भारत रत्न से सम्मानित कर्पूरी ठाकुर की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। बिहार के कुछ ही ऐसे नेता हैं जिन्होंने उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री, दोनों पदों पर काम किया है। हालाँकि, चौधरी के मुख्यमंत्री बनने की प्रक्रिया जितनी तेज़ रही, उसके विपरीत ठाकुर को 1967 में उपमुख्यमंत्री के तौर पर काम करने के बाद, 1970 में मुख्यमंत्री का पद संभालने के लिए लगभग दो साल का इंतज़ार करना पड़ा था।

नोएडा में थमा श्रमिकों का बवाल : वेतन वृद्धि की मांगें मंजूर, 7 FIR दर्ज

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर के औद्योगिक क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से जारी फैक्ट्री श्रमिकों का हिंसक विरोध प्रदर्शन अब शांत हो गया है। पुलिस प्रशासन और सरकार के सक्रिय हस्तक्षेप के बाद स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने पुष्टि की है कि अधिकांश श्रमिकों की प्रमुख मांगें मान ली गई हैं और वे काम पर लौट आए हैं। इंडिया टीवी से बात करते हुए पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि प्रशासन और सरकार के समय पर हस्तक्षेप के कारण श्रमिकों की प्रमुख मांगें मान ली गईं, जिसके बाद अधिकांश श्रमिकों ने काम पर वापसी कर ली है। कमिश्नर के अनुसार, कंपनियों ने कई मांगों पर सहमति जताई है, जिनमें वेतन वृद्धि, ओवरटाइम का भुगतान सुनिश्चित करना और यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के लिए समितियों का गठन शामिल है।

दिल्ली की सड़कों पर दिखेगा 'डोनाल्ड ट्रंप' का जलवा! #Freedom250 के साथ भारत-अमेरिका दोस्ती का नया रंग

नई दिल्ली, एजेंसी। जल्द ही राजधानी दिल्ली की सड़कों पर एक अनोखा नज़ारा देखने को मिलेगा। अमेरिकी स्वतंत्रता के 250 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे 'Freedom250' अभियान के तहत, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरों और 'Happy Birthday America' जैसे संदेशों से सजी ऑटो-रिक्शा पूरे शहर में दौड़ती नज़र आएंगी। यह रचनात्मक पहल केवल एक विज्ञापन नहीं, बल्कि भारत और अमेरिका के बीच प्रगाढ़ होते कूटनीतिक संबंधों का एक जीवंत प्रतीक है।

दिल्ली की पहचान बन चुकीं ऑटो-रिक्शा को अब भारत-अमेरिकी संबंधों के प्रचारक के रूप में चुना गया है। अमेरिकी दूतावास का मानना है कि ये 'रंग-बिरंगी ऑटो-रिक्शा' आम नागरिकों को इस वैश्विक उत्सव से जोड़ने का सबसे प्रभावी ज़रिया हैं। ये ऑटो-रिक्शा पहले नई दिल्ली में उतारी जाएंगी और बाद में भारत के अन्य प्रमुख शहरों का दौरा करेंगी। छात्रों, पर्यटकों और राहगीरों के बीच दोनों लोकतांत्रिक देशों की पक्की दोस्ती और साझा मूल्यों पर चर्चा शुरू करना।

राजदूत सर्जियो गोर का बड़ा खुलासा

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर, जो पहले राष्ट्रपति ट्रंप के निजी सहायक रह चुके हैं, ने इस अभियान की शुरुआत करते हुए दोनों देशों के संबंधों पर अहम टिप्पणी की। उन्होंने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच लगातार बातचीत जारी है। सर्जियो गोर, अमेरिकी राजदूत ने कहा 'दोनों नेताओं के बीच संबंध बेहद मज़बूत स्थिति में हैं। सच तो यह है कि अभी पिछले एक घंटे में ही उनकी फोन पर बात खत्म हुई है। इस साल ऐसी कई बातचीत हुई हैं जो सार्वजनिक नहीं की गईं।' राजदूत ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी (AI) और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर पहली महिला राष्ट्रपति का समर्थन, प्रतिभा पाटिल बोलीं- मोदी का प्रयास सराहनीय

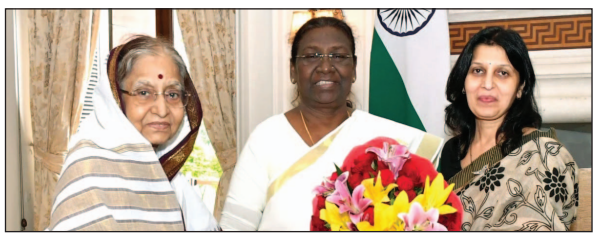

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण अधिनियम) के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह कानून विधायी निकायों में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करके संवैधानिक ढांचे को मजबूत करेगा। पत्र में लिखा था कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के ऐतिहासिक कार्यान्वयन की पहल के लिए मैं हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। यह ऐतिहासिक संवैधानिक संशोधन विधायी निकायों में महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व और भागीदारी को सुनिश्चित करके भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। पाटिल ने कहा कि पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने समान अवसर सुनिश्चित करके महिलाओं के सशक्तिकरण का समर्थन किया। उन्होंने इस प्रयास में योगदान देने वाले सभी हितधारकों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने के प्रयासों को तेज कर दिया है और इसे विधायी निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार बताया है। उन्होंने हाल ही में नारी शक्ति को पत्र लिखकर इस बहुप्रतीक्षित विधेयक पर त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कानून बनाने वाली संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। संसद के आगामी सत्र से पहले, मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा में सभी दलों के सदन के नेताओं को पत्र लिखकर महिला आरक्षण अधिनियम के कार्यान्वयन का समर्थन करने का अनुरोध किया। यह कदम संसद के एक महत्वपूर्ण सत्र से ठीक पहले उठाया गया है, जिसके दौरान सरकार से उम्मीद की जा रही है कि वह कानून से जुड़े संवैधानिक संशोधन को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

500 से अधिक उपद्रवी, 35-40 पुलिसवाले, रात में पुलिस पर हमला, होता रहा पथराव-तोड़फोड़ और आगजनी

मोतीपुर की घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरे सामने इस गांव में ऐसा कोई विवाद पूर्व में सामने नहीं आया। फिलहाल पुलिस-प्रशान पूरे मामले की जांच कर रहा है, जो भी दोषी होंगे, या जिसकी लापरवाही इस प्रकरण में सामने आएगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

- रोमी साहनी, विधायक

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर खीर। लखीमपुर खीरी के बांकेगंज के मोतीपुर गांव में मंगलवार शाम हुए बवाल के बाद बवालियों ने रात के अंधेरे में पुलिस पर पथराव कर दिया। जब तक पुलिस कुछ समझ पाती, तब तक कई वाहनों में तोड़फोड़ के बाद दो सरकारी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। उग्र प्रदर्शन, आगजनी, पथराव और लाठीचार्ज से दहशत का माहौल बन गया।

बाजारों में दुकानें बंद हो गई और लोग घरों में कैद हो गए। करीब 500 प्रदर्शनकारियों से 35-40 पुलिसकर्मी ही मोर्चा लेते दिखे। यही कारण रहा कि प्रदर्शनकारियों से बचने के लिए पुलिस को भी सुरक्षित जगह तलाशनी पड़ी। मैलानी थानाध्यक्ष समेत कई पुलिसकर्मी पथराव में घायल हुए हैं।

ग्राम पंचायत ग्रंट नंबर 10 के मोतीपुर गांव के लोग मंगलवार दोपहर डॉ. भीमराम राव आंबेडकर की जयंती पर माल्यार्पण के बाद जुलूस निकाल रहे थे। इस दौरान शाम करीब चार बजे मूर्ति हटाए जाने और क्षतिग्रस्त किए जाने की सूचना से आक्रोश भड़क गया। घटना की जानकारी संसारपुर चौकी पुलिस को मिली। चौकी के छह सात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

पुलिस को देख महिलाओं ने मूर्ति को लगवाने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया और बांकेगंज-कुकरा मार्ग पर बड़ी नहर पुल के बीच धरना शुरू कर दिया। इस दौरान दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और करीब चार घंटे तक मार्ग पर जाम रहा। इससे पहले जब घटना की जानकारी पुलिस के आलाधिकारियों को हुई तो मैलानी और गोला थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मामले को शांत कराने का प्रयास किया तो लोग और भड़क गए। प्रदर्शन उग्र होने के बाद आगजनी, पथराव और लाठीचार्ज हो गया। बांकेगंज कस्बे के आसपास के लोग दुकानें बंद करके निकल गए।

नायब तहसीलदार और संसारपुर चौकी प्रभारी की गाड़ी में लगा दी आग

कुछ ही देर बाद नायब तहसीलदार की टाटा सूमो गाड़ी और संसारपुर चौकी प्रभारी की बोलरो गाड़ी में आग भी लगा दी गई। पथराव से संसारपुर चौकी इंचार्ज जितेंद्र यादव, एक अन्य दरोगा, मैलानी थाने के इंस्पेक्टर के हमराही सिपाही अरुण कुमार और सूरज समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा अतिरिक्त बल मौके पर पहुंचा। पीएसी भी बुला ली गई, जिसके बाद देर शाम हालात पर काबू किया जा सका। देर शाम जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल, पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे।

एक ही जाति के दो गुटों में संघर्ष

पथराव और प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों को हल्की फुल्की चोटें आईं हैं। कोई भी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई है और न ही किसी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। साथ ही पूरे मामले की जांच एएसपी पश्चिमी अमित राय को सौंपी गई है। सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा।

- डॉ. ख्याति गर्ग, एसपी खीरी

सैकड़ों लोग जुटे: प्रधान

ग्राम पंचायत ग्रंट नंबर 10 के प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार का कहना है कि जहां आंबेडकर मूर्ति रखी गई थी, उसके बगल में पुलिस एक महिला की भूमि पर दीवार की नीव भरवा रही थी। इस दौरान कुछ ही देर में लगी मूर्ति वहां से हटा दी गई। इससे नाराज बाबा साहब के सैकड़ों अनुयायियों ने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इससे गुस्साई महिलाएं धरना पर बैठ गई और मूर्ति को पुनः उसी स्थान पर लगाने की मांग करने लगीं।

खीरी में आंबेडकर प्रतिमा टूटने पर बवाल, तोड़फोड़-आगजनी

लखीमपुर खीरी के बांकेगंज इलाके के गांव मोतीपुर में मंगलवार शाम डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा टूटने के बाद जमकर बवाल हुआ। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर पुलिस पर पथराव किया। खदेड़े जाने पर हिंसक भीड़ ने सीओ गोला रमेश तिवारी को दौड़ा लिया और उनकी व नायब तहसीलदार की गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी। उन्हें बीच सड़क पर पलट दिया और दो गाड़ियों में आग भी लगा दी।

एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने कहा कि एक ही जाति के दो गुटों में प्रतिमा स्थापित करने को लेकर विवाद था। दोनों गुटों के संघर्ष में ही प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई। घटना में कुछ पुलिसकर्मी चोटिल भी हुए हैं। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए लाठीचार्ज किया, जिससे स्थिति और बिगढ़ गई। भीड़ में शामिल कुछ लोगों के भी चोटें आई हैं। आंबेडकर जयंती पर मोतीपुर गांव में कई वर्षों से खाली पड़ी बौद्ध विहार की भूमि पर बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित की जानी थी। गांव में भंडारा चल रहा था और ग्राम प्रधान वीरेंद्र गौतम भी मौजूद थे। दोपहर करीब 12 बजे प्रधान के जाने के बाद गांव वालों ने प्रतिमा स्थापित कर दी। इसके बाद गांव के लोग रैली में चले गए और मौके पर केवल महिलाएं मौजूद थीं। ग्रामीणों का आरोप है कि शाम चार बजे बांकेगंज की रहने वाली चंदा देवी मैलानी थाना पुलिस को लेकर आई। उन्होंने बिना अनुमति प्रतिमा स्थापना का विरोध किया, जिसे देखकर पहले से मौजूद महिलाएं भी विरोध में आ गई। चंदा देवी ने उसी जमीन पर अपना कब्जा बताकर नींव भी भरवाना शुरू दिया। पुलिस ने इसी के साथ प्रतिमा हटवाने का प्रयास किया। इसी बीच दोनों गुटों के बीच संघर्ष शुरू हो गया। इस दौरान डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा टूट गई। पांच घंटे तक संघर्ष चला।

प्रतिमा टूटने और लाठीचार्ज से लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने बांकेगंज चौकी प्रभारी संतोष तिवारी और चंदा देवी के खिलाफ नाराजगी जताई। आक्रोशित ग्रामीणों ने इस दौरान चंदा देवी की पिटाई शुरू कर दी। पुलिस ने घेरा बनाकर चंदा देवी को बड़ी मुश्किल से भीड़ से बचाया। भीड़ ने हंगामा करते हुए सीओ गोला रमेश तिवारी और तहसीलदार की गाड़ियों में तोड़फोड़ की। उनकी गाड़ियों को बीच सड़क पलट दिया गया।

दो मामले दर्ज

पूरे प्रकरण में दो मामले दर्ज किए गए हैं। एक एफआईआर शिकायतकर्ता चंदा देवी और दूसरी पुलिस ने दर्ज कराई है। मामले में कुल 20 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने प्रतिमा को अपने कब्जे में ले लिया है। एएसपी पश्चिमी अमित राय को जांच सौंपी गई है।

गुरुद्वारे में घुसी पुलिस तो किया पथराव

बवाल के दौरान कई पुलिसकर्मी घटनास्थल के पास ही बांकेगंज-कुकरा रोड स्थित गुरुद्वारे में घुस गए। भीड़ ने वहां भी पथराव किया तो गुरुद्वारे के दरवाजे बंद करके पुलिसकर्मियों को बचाया गया।

दो वाहन नहर में फेंके

बवाल के दौरान दो चौपहिया वाहन घटनास्थल के पास से गुजरती नहर में फेंक दिए गए। बवाल शांत होने पर इन वाहनों को निकालने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन बहाव तेज होने के कारण सफलता नहीं मिली।

बांकेगंज बवाल के बाद अब भीरा में विवाद, आमने-सामने आए दो पक्षों के लोग, पुलिस ने कराया शांत

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर खीर। लखीमपुर खीरी के बांकेगंज क्षेत्र में मंगलवार को हुए भारी बवाल के बाद अब भीरा थाना क्षेत्र के रूपनपुरवा गांव में बुधवार सुबह तनाव की स्थिति बन गई। एक पक्ष के लोगों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर वाला नीला झंडा धर्मस्थल पर लगा दिया, जिसका दूसरे पक्ष ने विरोध किया। इस पर विवाद खड़ा हो गया। शुरुआती कहासुनी धीरे-धीरे बढ़कर इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिससे गांव में तनाव की स्थिति बन गई।

सूचना मिलते ही भीरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने धर्मस्थल से झंडा उतरवा दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के लोगों को थाने बुलाया गया। उनसे बातचीत की जा रही है। पुलिस का कहना है कि गांव में स्थिति नियंत्रण में है और शांति व्यवस्था बनी हुई है। गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है, जो पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

बांकेगंज में क्या हुआ था?

बांकेगंज क्षेत्र के गांव मोतीपुर में मंगलवार शाम डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा टूटने के बाद जमकर बवाल हुआ था। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर पुलिस पर पथराव किया। पुलिस द्वारा खदेड़े जाने पर उग्र हुई भीड़ ने सीओ गोला रमेश तिवारी को दौड़ा लिया। उनकी व तहसीलदार की गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी। गाड़ियों को बीच सड़क पलट दिया। दो गाड़ियों में आग लगा दी थी। इस घटना के संबंध में एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने बताया कि एक ही जाति के दो गुटों में प्रतिमा स्थापित करने को लेकर विवाद था। दोनों गुटों के संघर्ष में ही प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद लोग उग्र हो गए थे। घटना में कुछ पुलिसकर्मी चोटिल भी हुए हैं। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए लाठीचार्ज किया था, जिससे स्थिति और बिगड़ गई थी। भीड़ में शामिल कई लोगों को चोटें भी आई हैं।

गांजे की भारी खेप लदी ट्रक पुलिस ने पकड़ी

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। उड़ीसा से लखनऊ ले जाई जा रही गांजा लदी ट्रक को पकड़ने में पुलिस ने सफलता पाई है। पुलिस ने माल बरामदगी के आधार पर बंधुआ कला थाने में मुकदमा दर्ज कर ट्रक चालक व खलासी को गिरफ्तार कर लिया। अभी अवैध गांजे की सप्लाई चेन के खुलासे तक पुलिस नहीं पहुंच पाई है। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर एसटीएफ लखनऊ उपनिरीक्षक फैजुद्दीन सिद्दीकी, एसओजी सुल्तानपुर प्रभारी शिवानंद यादव, थानाध्यक्ष कुड़वार तरुण पटेल, थानाध्यक्ष बंधुआ कला प्रमोद कुमार की टीम ने वाराणसी लखनऊ मार्ग पर असरोगा टोल प्लाजा के आगे रवनिया पूरब गांव के पास ट्रक की चेकिंग की तो उसमें कुछ मात्रा में चूना व 50 बोरी में कुल 15 कुंतल 20 किग्रा गांजा मिला। पुलिस ट्रक को लेकर हाइवे पर इस्लामगंज बाजार स्थित बंधुआ कला थाने पहुंची। जहां पर मुकदमा दर्ज करते हुए ट्रक चालक व खलासी को गिरफ्तार कर लिया। ट्रक लेकर उड़ीसा से लखनऊ जा रहे लोगो की पहचान नासिर पुत्र स्व अली हसन निवासी थाना सिखरेड़ा मुजफ्फरनगर व वर्ष आर्या पुत्र स्व जय नारायण निवासी मोहान रोड थाना पारा फतेहगंज लखनऊ के रूप में हुई। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस ने 15 कुंतल 20 किग्रा गांजे के साथ एक 14 टायरा ट्रक, 02 मोबाइल व 4150 रुपए नगद बरामद किया है। सीओ सिटी सौरभ सामंत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल न्यायालय में पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी केवल माल पहुंचाने वाले है। यह तस्करी कौन करवा रहा था। माल लखनऊ में किसके पास ले जाया जा रहा है। उड़ीसा में कहां से माल लाया जा रहा था। इसकी विवेचना की जा रही है। जल्द ही पूरे नेटवर्क को पकड़कर खुलासा किया जाएगा।

जो सामने आया उसको पीटा... जब तक मौत नहीं हुई, तब तक बड़े भाई को डंडे मारे, मुरादाबाद में छोटे भाई का तांडव

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र के फकीरपुरा में जमीन के छोटे से विवाद ने एक परिवार को उजाड़ दिया। महज कुछ बीघा जमीन के लालच में एक भाई ने अपने ही सगे भाई की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक किसान सुरेश (55) अपने खेत में गेहूं की कटाई कर रहे थे। उसी दौरान उनके भाई विजय अपने बेटों और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वहां पहुंचा। आरोप है कि विजय, उसके बेटे रंजीत और सुरजीत, तथा पत्नी मंजू ने मिलकर सुरेश पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावरों ने सुरेश को चारों ओर से घेर लिया और तब तक पीटते रहे जब तक वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर नहीं पड़े।

हमले के दौरान सुरेश की पत्नी अनीता और उनकी वृद्ध सास मैना देवी जब बीच-बचाव के लिए आगे आईं, तो आरोपियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा। दोनों महिलाओं को भी बेरहमी से पीटा गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। फिलहाल दोनों का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में सुरेश जमीन पर घायल अवस्था में तड़पते नजर आ रहे हैं और आसपास चीख-पुकार मची हुई है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो सुरेश के आखिरी पलों का है, जिसने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद सुरेश को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस हत्या की जड़ करीब दस बीघा पैतृक जमीन का विवाद है। यह जमीन उनके नाना सैमुअल ने उनके पिता रामपाल को दी थी। हालांकि पिता द्वारा जमीन का बंटवारा कर दिया गया था, लेकिन विजय अपने भाई सुरेश के हिस्से पर भी दावा कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए तीन महिलाओं समेत पांच लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं मुख्य आरोपी विजय और उसके सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

क्या बोले एसपी?

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। घटना के दिन दोनों पक्ष विवादित जमीन पर पहुंचे थे, जहां कहासुनी के बाद मामला हिंसा में बदल गया। पुलिस ने मृतक पक्ष की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

कमांडो सर्जरी-चौघड़ पोला, कोडवर्ड में छिपे राज, कानपुर किडनी कांड के मास्टरमाइंड रोहित का कैसे ढहा काला साम्राज्य?

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। अपराध की दुनिया में आमतौर पर हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी की कहानियां सुनने को मिलती हैं, लेकिन कानपुर में उजागर हुआ किडनी कांड इंसानियत को झकझोर देने वाला मामला है। यह सिर्फ एक साधारण गिरोह नहीं, बल्कि कॉर्पोरेट स्टाइल में संचालित एक संगठित सिंडिकेट था, जिसने इंसानी अंगों की तस्करी के लिए कोडवर्ड रखा था। पुलिस की गिरफ्त में आए मास्टरमाइंड रोहित ने जो खुलासे किए हैं, उसने हिला कर रख दिया है।

इस सिंडिकेट की सबसे डरावनी बात इसकी कार्यप्रणाली थी। कानून और खुफिया एजेंसियों की नजर से बचने के लिए आरोपियों ने एक समानांतर भाषा विकसित कर ली थी। इस नेटवर्क में किडनी ट्रांसप्लांट को 'कमांडो सर्जरी' कहा जाता था। वहीं, अस्पतालों को 'स्कूल' और 'कॉन्वेंट' का नाम दे रखा था।

मरीजों के लिए क्या था कोडवर्ड?

आहूजा हॉस्पिटल को 'आहूजा स्कूल' और प्रिया हॉस्पिटल को 'प्रिया कॉन्वेंट' के नाम से पुकारा जाता था। यही नहीं, जेंडर के आधार पर मरीजों और डोनरों के नाम भी तय थे। पुरुष मरीज को 'पांव' और महिला मरीज को 'पोला' कहा जाता था। डॉ। सुरजीत आहूजा को 'चौघड़ पांव' और डॉ। प्रीति आहूजा को 'चौघड़ पोला' के कोडवर्ड से संबोधित किया जाता था।

गर्लफ्रेंड की एक कॉल और ढह गया साम्राज्य

शातिर रोहित अपनी पहचान छिपाने के लिए लगातार मोबाइल नंबर बदल रहा था। लेकिन उसकी सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गर्लफ्रेंड बनी। फरारी के दौरान वह अपनी प्रेमिका से संपर्क करने की कोशिश में लगा रहा। पुलिस की सर्विलांस टीम ने जब संदिग्ध नंबरों को ट्रैक किया, तो कड़ियां जुड़ती गईं और आखिरकार पुलिस उस तक पहुंचने में कामयाब रही। कानपुर पुलिस की इस कार्रवाई ने एक बड़े रैकेट को ध्वस्त तो कर दिया है, लेकिन अभी भी कई सवालों के जवाब बाकी हैं। मेरठ के कुछ नामी डॉक्टर, ओटी स्टाफ और प्रयागराज के कई एजेंट अभी भी फरार हैं। जांच का दायरा अब उन बड़े अस्पतालों तक भी पहुंच रहा है, जिन्होंने मोटी रकम के लालच में इन 'कमांडो सर्जरीज' के लिए अपने दरवाजे खोले।

रिसेप्शनिस्ट से मास्टरमाइंड तक का सफर

इस पूरे खेल का केंद्र बिंदु रोहित है। कभी गाजियाबाद में मजदूरी करने वाला यह युवक मेरठ के एक क्लीनिक में रिसेप्शनिस्ट बना। वहीं उसकी मुलाकात किडनी रैकेट के गुर्गों से हुई। सफेद कोट के पीछे छिपे काले कारोबार की बारीकियां सीखकर रोहित ने अपना खुद का साम्राज्य खड़ा कर लिया। 2019 में उसने कानपुर को अपना 'हॉटस्पॉट' बनाया और कल्याणपुर इलाके को अवैध ट्रांसप्लांट के लिए सुरक्षित ठिकाने के रूप में इस्तेमाल करना शुरू किया।

सोशल मीडिया और एजेंटों का हाईटेक जाल

रोहित ने गिरफ्तारी से बचने के लिए एक 'लेयर्ड' सुरक्षा कवच बनाया था। वह कभी सीधे तौर पर मरीज (रिसिपिएंट) के संपर्क में नहीं आता था। मरीजों को लाने का काम देशभर में फैले एजेंटों का था, जिनका मुखिया शिवम अग्रवाल उर्फ 'मार्शल' था। वहीं, किडनी देने वाले 'डोनर्स' को फंसाने के लिए टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया जाता था। आर्थिक तंगी से जूझ रहे लोगों को टेलीग्राम के जरिए जाल में फंसाया जाता और फिर उन्हें कानपुर लाकर 'कमांडो सर्जरी' की मेज पर लिटा दिया जाता था।

30 लाख से 60 लाख तक की डील

यह कारोबार कितना मुनाफे वाला था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक किडनी ट्रांसप्लांट का सौदा औसतन 30 लाख रुपये (जिसे कोड में '30 एल' कहते थे) में होता था। कुछ मामलों में यह रकम 60 लाख तक पहुंच जाती थी। इस काली कमाई का 50 प्रतिशत हिस्सा सीधे रोहित की जेब में जाता था। इसी पैसे के दम पर उसने अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़कर लिव-इन पार्टनर के साथ लग्जरी लाइफ जीना शुरू कर दिया था। वारदात के बाद वह अक्सर अपनी गर्लफ्रेंड के साथ गोवा जैसे शहरों में ऐश करने निकल जाता था।

ठुमक चलत राम चंद्र, बाजत पैंजनिया

लम्भुआ/सुल्तानपुर। स्थानीय क्षेत्र के चौकिया गाँव में नव दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा आचार्य पंडित राकेश जी महराज ने भगवान राम की बाल लीलाओ का मधुर वाचन किया। अयोध्या में उपजे उल्लास का बखान करते हुए महराज ने बताया की भगवान राम अपने तीनो भाइयो के साथ अब धीरे धीरे चलने लगे है उनके पैर में बंधे घुंघरु की छन छन की मधुर ध्वनि से राजा दशरथ का महल गुंजायमान हो रहा है। चारो माताए नन्हे बालको को देखकर मुदित हो रही है। अयोध्या की प्रजा महल पहुंचकर कर अपने बाल राजकुमारो का दर्शन कर बधाई दे रही है। पुरे अयोध्या में हर्ष का वातावरण व्याप्त है। कथा आचार्य ने कथा क्रम को आगे बढ़ाते हुए शिव पार्वती के प्रथम मिलन, गिरिराज द्वारा विवाह प्रस्ताव और शिव पार्वती के विवाह का वर्णन किया। मुख्य यजमान राम जन पाण्डेय और विमला देवी द्वारा आरती की गई।

किसी भी सूरत में बाहरी तत्वों को फैक्टरी के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के साथ टाटा मोटर्स के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवीं गाड़ी को फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल औद्योगिक सफलता नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 34 वर्षों की यह यात्रा टाटा समूह पर लोगों के भरोसे और प्रदेश के बेहतर होते औद्योगिक माहौल का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन को मजबूत बनाए रखने के लिए बाहरी हस्तक्षेप से बचाना जरूरी है। संगठन बनाने वाले कम होते हैं और बिगाड़ने वाले अधिक, इसलिए हर कर्मचारी को संस्थान को परिवार की तरह समझना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बाहरी तत्वों को किसी भी स्थिति में समूह या प्लांट के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। टाटा समूह की कार्य संस्कृति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी अपने कर्मचारियों को परिवार की तरह मानती है। मुख्यमंत्री ने विकास को समझाने के लिए 'मोमेंटम' का उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का 'मास' उसकी 25 करोड़ आबादी और 56% युवा वर्कफोर्स है, जबकि 'वेलोसिटी' डबल इंजन सरकार की तेज विकास गति है। इसी वजह से प्रदेश का विकास अब आंकड़ों से आगे बढ़कर जमीन पर दिख रहा है।

टाटा समूह ने की तारीफ

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समझना जरूरी है कि किस समूह के कारण हम आगे बढ़ रहे हैं और जो देश के विकास में निरंतर योगदान दे रहा है। किसी भी स्थिति में बाहरी तत्वों को समूह या प्लांट के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने टाटा ग्रुप की कार्यसंस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समूह अपने कर्मचारियों के साथ परिवार जैसा संबंध रखता है।

मोमेंटम की अवधारणा पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह 'मास' और 'वेलोसिटी' का समन्वय है। जहां द्रव्यमान होता है, वहां गति स्वतः उत्पन्न होती है। उत्तर प्रदेश के संदर्भ में यह 'मास' 25 करोड़ की आबादी और 56 प्रतिशत युवा वर्कफोर्स के रूप में सामने है। 'वी' यानी वेलोसिटी को डबल इंजन सरकार की डबल स्पीड का प्रतीक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विकास का मोमेंटम अब केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह धरातल पर दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ वर्ष पहले उत्तर प्रदेश पहचान के संकट, खराब कनेक्टिविटी और सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा था, जहां सड़क और गड्ढे में अंतर करना तक मुश्किल था। निवेशक आने से हिचकते थे। आज प्रदेश निवेश और उत्पादन के लिए एक आकर्षक केंद्र बन रहा है। प्रदेश में इस समय देश के कुल एक्सप्रेसवे का लगभग 55% हिस्सा है। गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन इसी महीने प्रधानमंत्री करेंगे। इसके बाद एक्सप्रेसवे में यूपी की हिस्सेदारी 60% तक पहुंच जाएगी।

टाटा मतलब ट्रस्ट, जो करोड़ों लोगों का अनुभव

मुख्यमंत्री ने कहा कि बचपन से लेकर आज तक महसूस किया है कि टाटा हमेशा भरोसे के साथ खड़ा रहा है। 'टाटा मतलब ट्रस्ट' केवल एक धारणा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का अनुभव है। घड़ी की सुई से लेकर जहाज निर्माण तक, नमक से लेकर नेटवर्किंग, स्टील से लेकर सॉफ्टवेयर तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, रक्षा, वाहन और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में टाटा समूह ने भारत को सशक्त बनाने का काम किया है। प्रदेश के साथ टाटा की साझेदारी केवल निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि यह विश्वास और विकास का मजबूत आधार है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 5600 से अधिक कर्मचारियों के साथ यह संयंत्र रोजगार और स्किल डेवलपमेंट का प्रमुख केंद्र बनकर 'लक्ष्य' प्रोग्राम के तहत युवाओं को अवसर दे रहा है। सीएम ने कहा कि बेरोजगार युवा है तो उसकी कोई पूछ नहीं है और उसकी शादी भी नहीं हो पाती जबकि टाटा में किसी की नौकरी लग जाए न केवल सम्मान बढ़ता है बल्कि उसकी शादी भी जल्दी तय हो जाती है। इस अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, टाटा मोटर्स के एमडी व सीईओ गिरीश वाघ, वाइस प्रेसिडेंट विशाल बादशाह मौजूद थे।

बीकेटी में हेरिटेज यात्रियों का भव्य स्वागत, पीलीभीत टाइगर रिजर्व के लिए रवाना हुआ दल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ कनेक्शन वर्ल्डवाइड समूह के हेरिटेज यात्रियों का नगर पंचायत बख़्शी का तालाब क्षेत्र में भव्य स्वागत किया गया। छोटी बाजार में लखनऊ से पीलीभीत पर्यटन के लिए रवाना हो रहे 32 यात्रियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम के संयोजक एवं संचालक नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान ने यात्रियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। बीकेटी पुलिस चौकी के समीप समूह के सदस्यों पर पुष्प वर्षा भी की गई। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर सभी पर्यटकों को बिस्किट, पानी तथा कुल्हड़ में विशेष चाय परोसी गई।इस पर्यटक दल का नेतृत्व वरिष्ठ सदस्य प्रदीप शुक्ला, विनोद श्रीवास्तव एवं शोभा वाजपेई द्वारा किया जा रहा है। यात्रियों के स्वागत-सत्कार में समाजसेवी दीपू गुप्ता, रंजीत मिश्रा, रामेंद्र चक्रवर्ती तथा कृष्णा गुप्ता सहित अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।समूह के वरिष्ठ संयोजक अनिल शुक्ल ने बताया कि संस्थापक सुनील मिश्र के मार्गदर्शन में 15 से 17 अप्रैल के मध्य विशेष प्रकृति एवं विरासत यात्रा का आयोजन किया गया है। कुल 32 सदस्यों का यह पर्यटक दल सबसे पहले पीलीभीत टाइगर रिजर्व का भ्रमण करेगा। इसके बाद यह दल माधोटांडा स्थित गोमती नदी के उद्गम स्थल का अवलोकन करेगा तथा अंत में प्रसिद्ध गोला गोकर्णनाथ मंदिर के दर्शन करेगा। समूह के वरिष्ठ सदस्य शोएब कुरैशी ने बताया कि यह यात्रा विशेष रूप से गोमती नदी के प्रवाह स्थलों को समझने की एक श्रृंखला का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत पूर्व में धोबिया आश्रम की यात्रा से की गई थी।

अर्बन चैलेंज फंड के संचालन पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में बैठक

लखनऊ। मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री की अध्यक्षता में अर्बन चैलेंज फंड के संचालन के संबंध में एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा सहित विभिन्न राज्यों के मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े।बैठक में राज्यों को फंड के दिशा-निर्देशों का गहन अध्ययन कर शीघ्र क्रियान्वयन प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। साथ ही लंबित प्रक्रियाओं एवं हस्ताक्षर की कार्यवाही को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया, ताकि योजना का लाभ समयबद्ध रूप से जनता तक पहुंच सके।केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता का प्रावधान किया गया है।

महिला आरक्षण का मायावती ने किया स्वागत, कहा– दलित व ओबीसी महिलाओं को अलग से दिया जाए आरक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि हम महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय का स्वागत करते हैं लेकिन दलित और ओबीसी समाज की महिलाओं को अलग से आरक्षण दिया जाए। बसपा सुप्रीमो ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी पहले से ही महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 50 फीसदी आरक्षण देने की मांग करती रही है पर अब जब 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात की जा रही है तो हम इसका समर्थन करते हैं जिससे कुछ तो सुधार हो।

उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि जब कांग्रेस की सत्ता थी तो उन्होंने अलग से महिलाओं को आरक्षण देने की बात नहीं की थी और अब ऐसा करके इस सुधार पर रोक लगाना चाहते हैं। बसपा इस फैसले का समर्थन करती है।

दलितों को लुभाने की कोशिश नहीं होगी कामयाब

मायावती ने कहा कि कल पूरे देश में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। मैंने भी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनको नमन किया। उन्होंने कहा कि बीते कुछ समय से दलितों को लुभाने के लिए विभिन्न राजनीतिक दल अपने कार्यक्रमों में नीले रंग का इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन दलितों पर सिर्फ बसपा के ही नीले रंग का प्रभाव होता है। इन दलों की ये कोशिश कामयाब नहीं होगी।

संक्षेप

रालोद व्यापार प्रकोष्ठ की मेरठ में बैठक संपन्न, अभि सिंघल जिला अध्यक्ष सहित तीन पदाधिकारियों की नियुक्ति

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) व्यापार प्रकोष्ठ की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक कार्यकर्ता बैठक बुधवार को चैंबर ऑफ कॉमर्स में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनिकेत भारद्वाज ने की।कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि व्यापार प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।बैठक का मुख्य केंद्र व्यापारियों की वर्तमान चुनौतियां, विशेषकर वस्तु एवं सेवा कर की जटिलताएं तथा ऑनलाइन व्यापार से स्थानीय बाजार पर पड़ रहे प्रभाव और संगठन के विस्तार से जुड़े विषय रहे। इस अवसर पर त्रिलोक त्यागी ने व्यापारियों के हितों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए।राष्ट्रीय सचिव प्रभुद्ध कुमार, हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर प्रभारी विनय प्रधान, राज्य मंत्री नरेंद्र खजूरी तथा मतलूब गौर ने भी व्यापारियों की समस्याओं और उनके समाधान से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने संगठन को मजबूत करने और व्यापारियों की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्तियों की घोषणा की गई। प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने अभि सिंघल को मेरठ जिला अध्यक्ष (व्यापार प्रकोष्ठ), दीपक अग्रवाल को प्रदेश सचिव (व्यापार प्रकोष्ठ) तथा संदीप गुप्ता को महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी।नवनियुक्त पदाधिकारियों को राज्य मंत्री नरेंद्र खजूरी एवं प्रभारी विनय प्रधान सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शुभकामनाएं देते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की अपेक्षा व्यक्त की।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, विकासनगर पुलिस ने हरदोई रोड से दबोचा

लखनऊ। थाना विकासनगर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हरदोई रोड स्थित अल कबीर लान के पास से अभियुक्त को दबोच लिया।थाना विकासनगर में दिनांक 17 मार्च 2026 को अपराध संख्या 47/2026 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 की विभिन्न धाराओं में गिरोह के लीडर सुशील कुमार मिश्रा उर्फ रज्जन मिश्रा तथा उसके गिरोह के कुल 13 सदस्यों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। इस प्रकरण की विवेचना थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा की जा रही है।विवेचना के दौरान वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए थाना विकासनगर पुलिस को लिखित आदेश प्राप्त हुए थे। इसी क्रम में 15 अप्रैल 2026 को थाना विकासनगर की पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की और गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित अभियुक्त सोनेन्द्र सिंह, उम्र लगभग 28 वर्ष, निवासी कटरा तरौना, पोस्ट रहीमाबाद, थाना औरास, जनपद उन्नाव को गिरफ्तार कर लिया।

विकासनगर पुलिस ने तीन बाल अपचारियों को पकड़ा, चोरी की तीन स्कूटी बरामद

लखनऊ। थाना विकासनगर, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की पुलिस टीम ने वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए तीन बाल अपचारियों को पकड़कर उनके कब्जे और निशानदेही से चोरी की तीन स्कूटी बरामद की हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हो रही स्कूटी चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 15 अप्रैल 2026 को थाना विकासनगर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के पावर हाउस के पास सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम को संदिग्ध गतिविधियां करते हुए तीन बाल अपचारी दिखाई दिए। पुलिस द्वारा पूछताछ और तलाशी लेने पर उनके कब्जे से चोरी की दो स्कूटी बरामद की गईं, जबकि एक अन्य स्कूटी उनकी निशानदेही पर पावर हाउस के पास बने शौचालय के सामने से बरामद की गई।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रचार हेतु सांस्कृतिक संस्थाओं को कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 16 से 18 अप्रैल, 2026 तक आयोजित होने वाले विशेष संसद सत्र के दृष्टिगत नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रचार-प्रसार के लिए संस्कृति विभाग के अधिकारियों तथा अधीनस्थ अकादमियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम समता, समानता एवं नारी सशक्तिकरण की दिशा में अत्यंत ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि 10 अप्रैल से 20 अप्रैल, 2026 तक पूरे प्रदेश में इस अधिनियम के संबंध में व्यापक प्रचार अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अनुपालन में संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश भर में कला आधारित जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें रेत कला, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, लोकगीत तथा अन्य स्थानीय कला विधाओं के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जाएगी।उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत विभाग की संस्थाओं को निर्धारित अवधि में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके तहत भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा नारी शक्ति वंदन विषय पर हस्ताक्षर अभियान तथा नारी स्वावलम्बन विषय पर चलचित्र निर्माण कराया जाएगा। इसी प्रकार राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ द्वारा महिला कलाकारों के सहयोग से नारी स्वावलम्बन विषय पर आधारित रेत कला एवं चित्रकला कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। पर्यटन मंत्री ने बताया कि भारतेन्दु नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा नारी सशक्तिकरण एवं नारी स्वावलम्बन विषय पर नुक्कड़ नाटक तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा संगीत की विभिन्न विधाओं के माध्यम से नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा लोक संगीत की विभिन्न विधाओं पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान, अयोध्या द्वारा रामायण के नारी चरित्रों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा लघु दृश्य सामग्री का निर्माण कराया जाएगा।उन्होंने बताया कि व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान को प्रभावी बनाने के लिए संस्कृति विभाग के अधीन सभी संस्थाओं को आवश्यक शासनादेश जारी कर दिए गए हैं तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जारी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में विद्युत वाहनों के लिए चार्जिंग केंद्र का उद्घाटन

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में विद्युत वाहनों के लिए आधुनिक चार्जिंग केंद्र की स्थापना की गई है। यह चार्जिंग केंद्र विश्वविद्यालय के गेट संख्या 01 के निकट स्थित सौर पार्किंग क्षेत्र में स्थापित किया गया है, जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल द्वारा किया गया।इस अवसर पर कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव नवाचार और सतत विकास लक्ष्यों को ध्यान में रखकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। विद्युत वाहन चार्जिंग केंद्र की स्थापना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

महिला आरक्षण, नोएडा घटना और शिक्षकों के मुद्दे पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय का सरकार पर हमला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय लखनऊ में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार पर विभिन्न मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. सी.पी. राय, प्रदेश प्रवक्ता शुचि विश्वास एवं सचिन रावत मौजूद रहे।पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं के सम्मान और आरक्षण को लेकर केवल दिखावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिलाओं को सम्मान और अवसर देने में अग्रणी रही है। कांग्रेस ने ही सरोजिनी नायडू को उत्तर प्रदेश का राज्यपाल बनाया, सुचेता कृपलानी को प्रदेश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनने का अवसर दिया, इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनीं, प्रतिभा पाटिल को देश का राष्ट्रपति बनाया गया तथा मीरा कुमार को लोकसभा अध्यक्ष बनाया गया।उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक सबसे पहले कांग्रेस पार्टी ही लेकर आई थी और उसे राज्यसभा से पारित भी कराया गया था। यदि भारतीय जनता पार्टी की मंशा ईमानदार होती तो वह इस विधेयक को लोकसभा से पारित कराकर वर्ष 2014 से ही महिला आरक्षण लागू कर सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।पत्रकार वार्ता को आगे संबोधित करते हुए अजय राय ने नोएडा में हुई घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह घटना दर्शाती है कि सरकार शासन चलाने में अयोग्य साबित हो रही है।

अयोध्या मंडल के पर्यटन स्थलों के विकास हेतु 10 करोड़ 19 लाख रुपये स्वीकृत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के विभिन्न मंडलों के अंतर्गत आने वाले जनपदों में पर्यटन स्थलों के सौन्दर्यीकरण, नवनिर्माण तथा जीर्णोद्धार के लिए राज्य योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रथम किस्त भी जारी कर दी गई है।यह जानकारी देते हुए प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अयोध्या मंडल के अंतर्गत आने वाली विधानसभाओं के लिए प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति जारी करते हुए प्रथम किस्त के रूप में धनराशि जारी की गई है।उन्होंने बताया कि आलापुर क्षेत्र में संत बाबा गोविन्द साहब की तपोभूमि अहिरौली के पर्यटन विकास के लिए 60 लाख रुपये, कटहरी क्षेत्र के भीटी स्थित काली मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 62 लाख रुपये तथा अकबरपुर चौतीपारा में ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।उन्होंने आगे बताया कि अकबरपुर के लोरपुर में स्थित महाराजा सुहेलदेव राजभर वंशीय अष्टखम्भा स्तूप के पर्यटन विकास के लिए 78 लाख रुपये, अम्बेडकरनगर स्थित श्रवण क्षेत्र के पर्यटन विकास के लिए 2 करोड़ 62 लाख रुपये, टांडा क्षेत्र के बसखारी में फलाहारी महाराज तथा अंगीरा मुनि आश्रम के विकास के लिए 75 लाख रुपये तथा जलालपुर स्थित बाबा झारखण्ड स्थल के विकास के लिए 75 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।इसी क्रम में अमेठी जनपद के जगदीशपुर क्षेत्र स्थित महावीर मंदिर के विकास हेतु 75 लाख रुपये, तिलोई क्षेत्र के कुटीसेवापुर के विकास के लिए 95 लाख रुपये, मुसाफिरखाना में बाबा महावीरदास मंदिर के विकास के लिए 58 लाख रुपये तथा गौरीगंज क्षेत्र के नर्वदेश्वर महादेव मंदिर के विकास के लिए 55 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज में महिला सशक्तीकरण पर व्याख्यान आयोजित

मिशन शक्ति फेज-5-2 एवं नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम के तहत हुआ आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज, लखनऊ में बुधवार को मिशन शक्ति फेज-5-2 के अंतर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग, राजनीतिशास्त्र विभाग एवं आईआईसी (IIC) के संयुक्त तत्वावधान में महिला सशक्तीकरण विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 14 अप्रैल के उपलक्ष्य में माल्यार्पण से हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में मंजरी पाण्डेय महिला उद्यमी उपस्थित रहीं। व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उद्यमिता के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाना तथा उनमें नवाचार की भावना विकसित करना था। अपने प्रेरणादायक संबोधन में मंजरी ने बताया कि महिलाएं "3-S" (Skill, Self-confidence, Self-reliance)

को अपनाकर स्वयं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बना सकती हैं। उन्होंने अपने जीवन के संघर्षों एवं सफलताओं का उल्लेख करते हुए छात्राओं को प्रेरित किया और बताया कि निरंतर प्रयास एवं आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि वे वर्तमान में MIMFA Foundation की Founder & Secretary तथा Majari A Fashion Hubb LLP की Managing Director के रूप में कार्य करते हुए महिलाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में दक्ष बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

कार्यक्रम के दौरान एक अंतःक्रियात्मक सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उद्यमिता से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे और विषय के प्रति अपनी गहरी रुचि प्रदर्शित की।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. बीना राय जी ने अपने उद्बोधन में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता के साथ साथ उनके सशक्तीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाएं विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने दृढ़ संकल्प और साहस के बल पर जीवन में उच्चतम स्तर तक पहुंच सकती हैं। राजनीति में एक लंबे इंतजार के बाद उनको लोकसभा, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रीय राजधानी 33% आरक्षण की व्यवस्था का उद्देश्य महिला नेतृत्व विकास के दृष्टिकोण को साकार करना है।

कार्यक्रम के अगले चरण में छात्राओं द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर विषय पर भाषण एवं काव्यपाठ का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह आयोजन छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

भाजपा के लिए परीक्षा वाला चुनाव

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव वैसे तो दोनों सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों के साथ साथ मजबूत प्रादेशिक क्षत्रपों और वामपंथी पार्टियों के लिए परीक्षा वाले हैं। लेकिन ये चुनाव खासतौर से भाजपा के लिए परीक्षा वाले इसलिए हैं क्योंकि इनके नतीजों से पता चलेगा कि भाजपा गैर कांग्रेस दलों और प्रादेशिक क्षत्रपों के मुकाबले अपनी चिरंतन कमजोरी से उबर पाई है या नहीं। यह भी पता चलेगा कि क्षेत्रीय और भाषायी अस्मिता वाले राज्यों में भाजपा की अखिल भारतीय राजनीति के दांव पेंच, व्यापक हिंदू ध्रुवीकरण और राष्ट्रवाद की राजनीति कारगर होती है या नहीं। ध्यान रहे इस बार जिन चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु व केरल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में, चुनाव हो रहा है, वहां हिंदुत्व बिल्कुल उस रूप में न तो प्रचलित है और न स्वीकार्य है, जिस रूप में भाजपा उसका उत्तर व पश्चिमी भारत में राजनीतिक इस्तेमाल करती है। साथ ही इन राज्यों में राष्ट्रवाद की भावना के साथ साथ उप राष्ट्रीयता की एक बेहद मजबूत अंतरधारा भी हमेशा मौजूद रहती है। इसलिए इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का चुनाव भाजपा के लिए परीक्षा वाला है।

तमिलनाडु को छोड़ दें तो बाकी तीनों बड़े राज्यों में भाजपा अकेले लड़ रही है या गठबंधन की केंद्रीय पार्टी है। सबसे बड़े और सबसे ज्यादा विधानसभा वाले राज्य पश्चिम बंगाल में भाजपा अकेले लड़ रही है। असम में जरूर असम गण परिषद, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट और यूपीपीएल के साथ भाजपा का तालमेल है लेकिन गठबंधन का नेतृत्व भाजपा कर रही है। 126 सदस्यों की विधानसभा में इस बार वह अकेले बहुमत हासिल करना चाहती है। इससे पहले दो चुनावों से वह बहुमत के आंकड़े यानी 64 सीट से थोड़ा नीचे रूक गई थी। उधर केरल में भी भाजपा ने साबू जैकब की ट्वेंटी20 पार्टी से तालमेल किया है। यह एक ईसाई पहचान वाली पार्टी है। वहां भी भाजपा केंद्रीय ताकत है। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी अपना मजबूत आधार नहीं बना पा रही है और उसे अन्ना डीएमके के पीछे चलना पड़ रहा है, जिसने लोकसभा चुनाव में भाजपा को छोड़ दिया था। हालांकि बाद में भाजपा फिर उसके साथ जुड़ी। इन राज्यों के चुनाव भाजपा के लिहाज से इसलिए भी बहुत अहम हैं क्योंकि इनसे दक्षिण भारत में भाजपा के विस्तार की संभावनाओं का भी पता चलेगा। धीरे धीरे ही सही लेकिन भाजपा ने कर्नाटक के बाद तेलंगाना में अपना मजबूत आधार बना लिया है। केरल में पिछले चुनाव में उसका वोट प्रतिशत दहाई में पहुंच गया। उसके गठबंधन को 12 फीसदी से ज्यादा वोट मिले, जो लोकसभा चुनाव में और बढ़ा।

बहरहाल, अगले महीने होने वाले चुनावों में भाजपा के लिए सबसे अहम पश्चिम बंगाल का चुनाव है। भारत की राजनीति में एकाध ही प्रादेशिक क्षत्रप हैं, जिनसे भाजपा सीधी लड़ाई लड़ती है और हरा नहीं पाती है। ममता बनर्जी को नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भाजपा आज तक नहीं हरा पाई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा बंगाल में सबसे मजबूत होकर उभरी तब भी ममता बनर्जी की पार्टी को उससे ज्यादा सीटें मिलीं। उसके बाद के चुनाव में तो ममता ने चैलेंज देकर भाजपा को सौ सीट के नीचे रोका। भाजपा को 2021 के चुनाव में 77 सीटें मिलीं। इसकी एक व्याख्या तो यह है कि भाजपा 2016 की तीन सीटों से बढ़ कर 77 पहुंची और दूसरी व्याख्या यह है कि भाजपा 2019 के लोकसभा चुनाव में सौ से ज्यादा सीटों पर मिली बढ़त से घट कर 77 पर रह गई।

जो हो, इस बार नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व वाली भाजपा विधानसभा चुनाव में तीसरी बार ममता बनर्जी के मुकाबले सीधी लड़ाई में उतरेगी। ध्यान रहे तीसरी सीधी लड़ाई में भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को भी हरा दिया था। दिल्ली में 2013 के चुनाव में भाजपा 32 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। वह 2015 और 2020 में आम आदमी पार्टी से हारी लेकिन 2025 में उसने उसे हरा दिया। ऐसे ही पश्चिम बंगाल में 2016 और 2021 के बाद अब तीसरी लड़ाई है। इस बार हर दांव आजमाए जा रहे हैं। पिछले 10 साल में भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के हर दांव पेंच को समझा है। उसकी ताकत और चुनाव लड़ने के तरीके को ऑब्जर्व किया है और उस हिसाब से रणनीति बनी है। इसमें चुनाव आयोग भी अहम भूमिका निभा रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के जरिए 63 लाख नाम काटे जा चुके हैं। 60 लाख नाम विचाराधीन श्रेणी में रखे गए हैं, जिनमें से 25 से 30 लाख नाम और कट सकते हैं।

खालसा पंथ की स्थापना और फसलों की कटाई की खुशी का पर्व है बैसाखी

बैसाखी पर विशेष लेख

सुखबीर सिंह सिंघोत्रा

गुरु गोबिंद सिंह जी ने एक ऐसे पंथ की स्थापना की जो न केवल आध्यात्मिक रूप से जागरूक हो बल्कि अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस भी रखे।

बैसाखी का पावन पर्व सिख इतिहास का वह स्वर्णिम अध्याय है जब गुरु गोबिंद सिंह जी ने सन 1699 में आनंदपुर साहिब की पावन धरती पर खालसा पंथ की स्थापना की थी, उस समय उनका नाम गोबिंद राय था। यह स्थापना किसी साधारण धार्मिक आयोजन का परिणाम नहीं थी बल्कि उस समय के सामाजिक अन्याय, धार्मिक अत्याचार और मानवाधिकारों के हनन के विरुद्ध एक क्रांतिकारी कदम था। उस समय समाज में भय, भेदभाव और जबरन धर्म परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ रही थीं, आम जनमानस में साहस और आत्मसम्मान की कमी हो रही थी । ऐसे समय में गुरु गोबिंद सिंह जी ने एक ऐसे पंथ की स्थापना की जो न केवल आध्यात्मिक रूप से जागरूक हो बल्कि अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस भी रखे। खालसा पंथ का मूल उद्देश्य था संत सिपाही् तैयार करना जो भक्ति और शक्ति दोनों का संतुलन बनाए रखे। बैसाखी के ऐतिहासिक दिवस पर गुरु गोबिंद राय जी ने विशाल सभा में आव्हान किया कि जो देश धर्म के लिए अपने प्राणों का त्याग कर सकता है वो सामने आए । सभा में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया फिर पीछे से एक व्यक्ति उठा और सहजता से चलते हुए गुरु गोबिंद सिंह जी के पास आया और बोला कि मैं अपने प्राणों का बलिदान देने को तैयार हूं गुरु गोविंद सिंह जो उस समय गोविंद राय कहलाते थे उन्हें अंदर ले गए और पंडाल के पीछे से तलवार चलने की जोरदार आवाज आई और खून की धार सभा की तरफ बहने लगी, गुरुजी बाहर आए उनके हाथों में रक्त रंजित तलवार थी उन्होंने दोबारा आवाज लगाकर पूछा कि और कौन गुरु का प्यारा देश और धर्म के लिए जान दे सकता है फिर एक व्यक्ति उठा और उसने भी देश धर्म के लिए अपने प्राण कुर्बान करने की बात कही गुरुजी उससे भी अंदर ले गए फिर जोरदार आवाज और खून की धार, इस तरह एक.एक कर पांच लोगों को गुरु जी पंडाल के पीछे ले गए और खून की धार बाहर बहती रही पूरी सभा में सन्नाटा था लोग आश्चर्य में थे कि गुरु जी ने यह क्या किया ? क्यों किया ? यह परीक्षा केवल आस्था की नहीं बल्कि समर्पण, साहस और विश्वास की थी । जब पाँच सिख इस परीक्षा में खरे उतरे तब गुरु जी ने उन्हें अमृत पान करवाकर खालसा बनाया। गुरु जी ने जिन्हें अमृत पान करवाकर पंज प्यारे सजाया उनमें भाई दया सिंह जी (लाहौर के निवासी) - भाई धरम सिंह जी (हस्तिनापुर/मेरठ के निवासी) - भाई हिम्मत सिंह जी (जगन्नाथ पुरी के निवासी) - भाई मोहकम सिंह जी (द्वारका के निवासी) - भाई साहिब सिंह जी (बीदर के निवासी) थे । इसके पश्चात जो घटना घटी वही सिक्ख परंपरा की सबसे अद्वितीय और प्रेरणादायक मिसाल बनी। गुरु गोविंद सिंह जी ने स्वयं उन्हीं पाँच प्यारों से अमृत ग्रहण किया और स्वयं को भी खालसा में शामिल किया। उसके बाद से गुरु गोविंद राय का नाम गुरु गोबिंद सिंह पड़ा। यही वह ऐतिहासिक क्षण है, जिसके कारण सिख परंपरा में कहा जाता है, वाह वाह गोबिंद सिंह आपे गुरु चेला इस पंक्ति का गहरा अर्थ है कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने गुरु और शिष्य के बीच की दूरी को समाप्त कर दिया। उन्होंने यह संदेश दिया कि सच्चा गुरु वही है जो स्वयं भी उसी अनुशासन मर्यादा और नियमों का पालन करे, जो वह अपने अनुयायियों को सिखाता है। उन्होंने स्वयं को ऊँचा नहीं रखा बल्कि अपने अनुयायियों के साथ समान स्तर पर खड़ा किया। यह समानताए विनम्रता और नेतृत्व का सर्वोच्च उदाहरण है। इससे यह सिद्ध होता है कि सिक्ख पंथ में किसी भी प्रकार का ऊँच.नीच या भेदभाव स्वीकार्य नहीं है। आज भी गुरुद्वारों में गरीब . अमीर सब एक साथ एक लाइन में बैठकर लंगर ग्रहण करते हैं। आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा हैकृनैतिक मूल्यों में गिरावट, आपसी विभाजन और युवाओं का भटकावकृतब गुरु गोबिंद सिंह जी का यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। हमें यह सीख मिलती है कि नेतृत्व केवल आदेश देने का नहीं बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने का नाम है। छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर सिक्ख समाज सदैव सरबत दा भला की भावना के साथ सेवा, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता आया है। आज बैसाखी के इस पावन अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम गुरु साहिब के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज में न्याय, समानता और सेवा की भावना को और सुदृढ़ करें। खालसा मेरो रूप है खास, खालसे में हउ करौं निवास' यह वचन हमें याद दिलाता है कि खालसा केवल एक पहचान नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। आस्था, साहस और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश बैसाखी का पावन पर्व सिक्ख समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अवसर है। यह केवल फसल कटाई का उत्सव नहीं बल्कि धर्म, साहस, समानता और सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का दिन भी है। आज के बदलते सामाजिक और वैश्विक परिदृश्य में बैसाखी हमें अपने मूल सिद्धांतों की ओर लौटने और उन्हें व्यवहार में उतारने का संदेश देती है। बैसाखी का दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब गुरु साहिब ने समाज में व्याप्त अन्याय, भेदभाव और भय को समाप्त करने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। हम बैसाखी के संदेश को केवल उत्सव तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। धर्म का पालन केवल पूजा.पाठ तक सीमित न रहकर सत्य, ईमानदारी और न्याय के मार्ग पर चलना है। सेवा ;सेवा भावद्ध के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची श्रद्धा है । समानता और भाईचारा आज के समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जहाँ जाति, धर्म और वर्ग के भेद को समाप्त करना हमारा कर्तव्य है। छत्तीसगढ़ की धरती पर सिक्ख समाज हमेशा से सेवा, सद्भाव और भाई चारे का प्रतीक रहा है। चाहे प्राकृतिक आपदाएं हों या सामाजिक संकट, सिक्ख समाज ने सरबत दा भला के सिद्धांत पर चलते हुए हर जरूरतमंद की सहायता की है। आज भी हमें यही संकल्प लेना होगा कि हम अपने आसपास के समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। आज की परिस्थितियों में जब युवाओं के सामने अनेक भटकाव और चुनौतियाँ हैंए बैसाखी उन्हें सही दिशा देने का अवसर है। उन्हें अपने इतिहासए संस्कृति और मूल्यों से जोड़ना, उन्हें नशे और गलत रास्तों से दूर रखना और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। बैसाखी हमें यह सिखाती है कि सच्चा उत्सव वही है जिसमें समाज का हर वर्ग खुशहाल और सुरक्षित हो। इस पावन अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम धर्म, सेवाए और मानवता के मार्ग पर चलकर एक बेहतर समाज का निर्माण करेंगे। नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सर्वत दा भला बैसाखी की सभी को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं

लेखक प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज हैं

टिप्पणी

समाज कल्याण की जिम्मेदारी

बाईबैक ऐसा चलन है, जिससे कंपनियां बाजार में बिना अपना प्रदर्शन सुधारे अपने मूल्य में बढ़ोतरी कर लेती हैं। ऐसा वे शेयरधारकों से अपनी ही कंपनी के शेयरों को खरीद कर करती हैं। इससे कंपनी के शेयरों के भाव बढ़ जाते हैं।

कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक- 2026 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने पर बनी सहमति स्वागतयोग्य है। आशा है, समिति बिल में मौजूद कुछ समस्याओं को दूर करने में सफल रहेगी। ऐसी ही एक समस्या शेयर बाईबैक का प्रावधान है। नए बिल के तहत कुछ श्रेणी की कंपनियां साल में दो बार बाईबैक कर सकेंगी। फिलहाल, उन्हें एक बार ऐसा करने की इजाजत मिलती है। बाईबैक ऐसा चलन है, जिससे कंपनियां बाजार में बिना अपना प्रदर्शन सुधारे अपने मूल्य में बढ़ोतरी कर लेती हैं। ऐसा वे शेयरधारकों से अपनी ही कंपनी के शेयरों को खरीद कर करती हैं। इससे शेयरों के भाव बढ़ जाते हैं। नतीजतन कंपनी की सकल कीमत बढ़ जाती है। फिर शेयरों के बढ़ते भाव को देख कर बहुत से नए निवेशक संबंधित कंपनी के शेयरों में पैसा लगाते हैं।

कुल मिलाकर यह एक तरह का स्टॉक हेरफेर है, जिससे कंपनियां अपना मूल्य बढ़ाती हैं। अर्थव्यवस्था के अधिक से अधिक होते गए वित्तीयकरण के साथ ऐसे चलन बढ़ते चले गए हैं। अब आम समझ बनी है कि वास्तविक अर्थव्यवस्था के हित में ऐसी प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने की जरूरत है। मगर भारत सरकार अपने देश की कंपनियों के लिए बाईबैक के अवसर दोगुना करने जा रही है। संसदीय समिति को इस पर अवश्य गंभीरता से विचार करना चाहिए। सरकार ने कंपनी ऐक्ट 2013 और एलएलपी ऐक्ट 2008 में संशोधन के लिए जो नया बिल पेश किया है, उसमें एक प्रावधान कंपनियों पर से कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) का बोझ घटाने से संबंधित है।

उसके तहत 10 करोड़ रुपये सालाना मुनाफा कमाने वाली कंपनी पर ही सीएसआर का प्रावधान लागू होगा। फिलहाल 1000 करोड़ रुपये टर्नओवर या कुल मूल्य 500 करोड़ रुपये अथवा पांच करोड़ रुपये सालाना मुनाफा वाली कंपनी को मुनाफे का दो फीसदी सीएसआर पर खर्च करना होता है। सीएसआर आरंभ से विवादास्पद प्रावधान रहा है। इसलिए उचित होता कि सरकार इस कॉन्सेप्ट पर ही पुनर्विचार करती। संसदीय समिति को सोचना चाहिए कि क्या यह उचित नहीं होगा कि समाज कल्याण की जिम्मेदारी कंपनी पर डालने के बजाय निर्वाचित सरकार वो रकम टैक्स के रूप में लेकर जन कल्याण करे?

ब्लॉग

महिला आरक्षण-नया आयाम, क्यूँ ज़रूरी ?

बृजमोहन श्रीवास्तव

आज देश में सबसे चर्चित विषय महिला आरक्षण है और इसका महत्व देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के लेख से और अधिक हो गया है ।इसलिए यह ज़रूरी है कि इस आरक्षण के लिये हमारी तैयारी पर भी बात होना चाहिए ।

बात 1993-94 की है, जब मध्य प्रदेश में 73वें संविधान संशोधन के बाद पहली बार पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों की घोषणा हुई। चूँकि ये चुनाव किसी राजनीतिक दल के चुनाव चिन्ह पर नहीं होने थे, इसलिए सभी नेता अपने-अपने समर्थित उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की तैयारी में थे।

मैंने व भोपाल सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अनिरूध प्रसाद शास्त्री जी ने यह निर्णय लिया कि हम भोपाल जिले की सभी पंचायतों व अन्य स्थानों में अपने प्रत्याशी खड़े करेंगे।

चुनाव की तैयारी के प्रथम चरण में जब महिला प्रत्याशियों की तलाश शुरू की तो हमें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा क्योंकि संशोधन के कारण 33 प्रतिशत पद महिलाओं के लिये आरक्षित तो थे ही मगर उसमें भी पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए भी आरक्षण निर्धारित था। इसके चलते योग्य और इच्छुक महिला उम्मीदवारों का मिलना कठिन था।

जनपद सदस्य के लिये एक वार्ड अनुसूचित जाति की महिला के लिए आरक्षित था। जब हमने उस वार्ड के लिए मतदाता सूची में महिला प्रत्याशी की तलाश शुरू की तो समझ आया कि चयन बहुत सीमित मतदाताओं में से ही करना पड़ेगा । तब हमें अपने एक समर्थक के खेत में काम करने वाली आठवीं पास युवा महिला—आशा मिली ।

जब हमने उस युवती के सामने चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा उसने आश्चर्य के साथ बस इतना ही कहा जैसा भैय्या बोलें मगर उसका अगला सवाल था - रोज़ी रोटी का क्या होगा और करना क्या पड़ेगा ? हमने उसे बताया कि चुनाव में लोगों से वोट मांगना होगा और जीतने के बाद जनपद सदस्य के रूप में जनता के लिए काम करना होगा। वहीं मेरे समर्थक ने उसे नौकरी चलते रहे का आश्वासन दिया । अपने पति से बातचीत कर वह चुनाव के लिए तैयार हो गई । उसके नामांकन के बाद चुनाव प्रचार के दौरान मैंने उसे वोट माँगते समय उसमें आ रहे बदलाव को क़रीब से महसूस किया और इस बदलाव की छलक एक छोटी-सी आम सभा में देखी । हम सभी का मानना था कि वह भाषण नहीं देगी मगर उसने सबको ग़लत साबित करते हुऐ भाषण दिया और ऐसा बोला कि देर तक तालियाँ बजती रहीं । उसने बहुत ही सरल, लेकिन आत्मविश्वास से भरे शब्दों में कहा— मैं इसी गाँव की बेटी हूँ। जब मैं यहाँ से निकलती थी, तो मेरे पैर मिट्टी में सन जाते थे। अगर मैं चुनाव जीती तो मेरी कोशिश होगी कि अब गाँव में किसी भी बेटी के पैर मिट्टी में नहीं सने।ह उसके ये शब्द वहाँ उपस्थित हर व्यक्ति के मन में गहराई तक उतर गए थे । मैंने उस कम शिक्षित, मजदूर आशा को आशा देवी बनने की यात्रा को क़रीब से देखा । मैं एक साधारण महिला को राजनेता बनते देख रहा था और यह इसलिए हो रहा था क्योंकि मुक़ाबले में महिलायें ही थी। वह चुनाव तो हार गई मगर चुनाव लड़ने से उसमें जो आत्मविश्वास पैदा हुआ उसने एक महिला नेत्री को जन्म दिया ।वह इससे आगे के चुनाव लड़ने की ख्वाहिश होने के बावजूद भी पिछड़ गई, मैं आज जब पूरे हालात का विश्लेषण करता हूँ तो मुझे लगता है कि यदि उसे पुरुष नेताओं के साथ संघर्ष नहीं करना होता तो शायद वह आज कम से कम जिला स्तर पर तो काम कर रही होती ।

यह एक महिला के नेता बनने और फिर गुमनाम होने की कहानी नहीं है बल्कि प्रतिभा, संकल्प और उर्जा से भरीं लाखों महिलाओं की बात है । पिछले तीस-पैंतीस सालों में जब से महिला सशक्तिकरण के लिये लोकसभा-विधानसभा में महिला आरक्षण की माँग उठी है तब लेकर अब तक सार्वजनिक क्षेत्र की कई संस्थायें जैसे स्थानीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं, सहकारिता , कारपोरेट, कानूनी संस्थाएं और अन्य संगठनों में महिलाओं को जो आरक्षण मिला, उसने देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को एक नई दिशा दी है।

महिला आरक्षण के कारण लाखों महिलाओं ने विभिन्न पदों पर काम करके प्रशासनिक व चुनावी अनुभव प्राप्त कर लिया है ।आज देश का कोई ऐसा सार्वजनिक मंच नहीं है जहाँ महिलाएँ नेतृत्व नहीं कर रही हो ।

जिस चुनाव का मैंने ज़क्रि किया है उसे बीते लगभग पैंतीस वर्ष बीत चुके हैं मगर आज जब पीछे मुड़कर देखता हूँ विश्वास से भर जाता हूँ कि हमारी आबादी का पचास प्रतिशत अब क़ानून बनाने के लिये पूरी तौर से तैयार है, इसलिए इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिये अन्तिम कदम उठाने में देरी करना ठीक नहीं हैं क्योंकि आज देश की महिलाएँ न केवल जागरूक हैं, बल्कि राजनीतिक रूप से परिपक्व भी हो चुकी हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि उन्हें देश के सर्वोच्च नीति-निर्माण मंचों पर कानून बनाने का भी समान अवसर मिलना चाहिए।

सालों की लंबी बहस के बाद आखिरकार वह ऐतिहासिक क्षण सितंबर 2023 में आया जब हमारी संसद ने लम्बी सार्थक बहस के बाद 106वें संविधान संशोधन को मंज़ूरी देते हुए महिला आरक्षण विधेयक पारित किया । इस कानून के तहत अब लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है।

हम सब जानते है कि आज तक देश में बने क़ानूनों मे पुरुषों की भागीदारी अधिक रही है फलस्वरूप क़ानूनों में पुरुष सोच का वर्चस्व रहा है जो कि स्वाभाविक है। यही कारण रहा कि महिलाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण कानून समय पर नहीं बन सके। इसके चलते हमारे लोकतंत्र में अनेक ऐसी योग्य महिलाओं अवसरों से वंचित रह गई , जो उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती थीं । अब यह कानून उस ऐतिहासिक कमी को दूर करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इसके माध्यम से महिलाओं को यह संवैधानिक अधिकार मिलेगा कि वे उन सीटों से चुनाव लड़ सकें, जो उनके लिए आरक्षित होंगी। इससे न केवल महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि देश के लोकतंत्र में एक नई ऊर्जा और संतुलन स्थापित होगा । देश में एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लगातार इस बात पर बल देते रहे हैं कि महिलाओं को आरक्षण बहुत पहले मिल जाना चाहिए था मगर उनका स्पष्ट मानना है कि इसमें और देरी स्वीकार नहीं है । उन्होंने नारी शक्ति को लोकतंत्र में पूर्ण अवसर देने का संकल्प लेते हुए हर हाल में इस विधेयक को लागू करने की प्रतिबद्धता समय समय पर व्यक्त की है।

यही कारण है कि अब यह विश्वास मजबूत होता जा रहा है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनावों में हम 33 प्रतिशत आरक्षण के कारण बड़ी संख्या में महिलाओं को संसद में देख सकेंगे। यह सत्य है कि यह संशोधन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है, लेकिन जिस दृढ़ता और प्रतिबद्धता के साथ इस दिशा में प्रयास हो रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि अब वह दिन दूर नहीं जब भारत की महिलाएँ संसद में बैठकर देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाएँगी। यह केवल एक राजनीतिक परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र में समानता, प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय के एक नए युग की शुरुआत होगी । इस में राजनीति देखने वाले लोगों को खुद से यह प्रश्न करना चाहिए कि ऐसा करके वह लोकतंत्र को मजबूत करने की ओर अग्रसर देश की गति को धीमा क्यूँ करना चाहते है?

लेखक राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी हैं।

'पत्नी के लिए अंगूठी लेनी...', ज्वेलरी शॉप पर ग्राहक बनकर पहुंचा लुटेरा

स्प्रे मारकर 5 अंगूठियां लेकर भागा

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के कासना कोतवाली क्षेत्र में एक बेहद चौंकाने वाली लूट की घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। यहां एक शातिर बदमाश ग्राहक बनकर ज्वेलरी शॉप पर पहुंचा और मौका मिलते ही ज्वेलर्स की आंख में पेपर स्प्रे छिड़ककर 5 सोने की अंगूठियां लूट कर फरार हो गया। लूट की यह वारदात इतनी तेजी से अंजाम दी गई कि दुकानदार को संभलने का मौका तक नहीं मिला। अब CCTV फुटेज के आधार बदमाश की पहचान की कोशिश जारी है।

जानकारी के अनुसार, कासना कोतवाली क्षेत्र के कालीचरण मार्केट

स्थित शगुन ज्वेलर्स नाम की दुकान से लूट की घटना को अंजाम दिया गया। बताया जा रहा है कि बदमाश युवक ग्राहक पर दुकान पर पहुंचा था। उसने कहा कि पत्नी के लिए अंगूठी खरीदनी है। दुकानदार ने तुरंत उसे अलग-अलग डिजाइन की अंगूठियां दिखानी शुरू कर दीं। शुरू मे सब कुछ सामान्य लग रहा था। आरोपी बदमाश आम ग्राहक की तरह एक के बाद एक अंगूठी को उठा कर देख रहा था।

अंगूठियां लूटकर भागा बदमाश

दुकानदार को उस पर बिल्कुल भी शक नहीं हुआ। इसी बीच जैसे ही दुकानदार अंगूठियां दिखाने में व्यस्त हुआ, वैसे ही बदमाश ने जेब में रखा स्प्रे निकाला और फिर दुकानदार की आंखों में छिड़क दिया। उसकी आंखों में तेज जलन होने लगी और वह थोड़ी देर के लिए वह कुछ नहीं पाया। मौके का फायदा उठाते हुए बदमाश ने काउंटर पर रखी 5 अंगूठियां उठाई और फरार हो गया। यह पूरी वारदात दुकान में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई।

सीसीटीवी से हो रही पहचान की कोशिश

पीड़ित दुकानदार ने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी और शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी कासना धर्मेंद्र शुक्ला ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है। जांच के दौरान पाया गया कि बदमाश जल्दबाजी के चक्कर में पांच अंगूठियां उठाकर मौके से पर हो गया, जबकि दो अंगूठियां वहीं पर गिर गई। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या आरोपी अकेला था या उसके साथ कोई और भी शामिल था। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर इस घटना का खुलासा किया जाएगा। लूटा की घटना का सीसीटीवी फुटेज अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

कल्याणकारी योजना एमवीयू 1962 से लाभान्वित हो रहे पशुपालक

आर्यावर्त संवाददाता

अखंडनगर/सुलतानपुर। ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत सेल्हुपारा गांव के पशुपालक चन्द्रशेखर पाण्डेय की गाय पिछले तीन दिनों से बीमार चल रही थी पशुपालक ने हेल्पलाइन नंबर 1962 पर फोन कर सूचना दी । मौके पर पहुंचे एमवीयू के डॉक्टर रोहित कुमार धुरिया ने बीमार पशु का इलाज किया, साथ में एमटीएस देवेन्द्र पाण्डेय और पायलट राजेश कुमार उपस्थित रहे। इलाज के अगले दिन पशुपालक के द्वारा बताया गया कि अब पशु स्वस्थ है तथा पशुपालक ने एम वी यू टीम का आभार व्यक्त किया।

1962 सेवा बनी भरोसे का केंद्र

1962 मोबाइल वेटनरी यूनिट सेवा अब पशुपालकों के बीच भरोसे का केंद्र बनती जा रही है। एक फोन कॉल पर पशु चिकित्सा टीम का गांव तक पहुंचना इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता है। इससे पशुओं के इलाज में देरी नहीं होती और समय पर उपचार मिलने से पशुओं की जान बचाई जा सकती है। उत्तर प्रदेश सरकार की 1962 मोबाइल वेटनरी यूनिट योजना पशुपालन क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो रही है। यह न केवल पशुओं के स्वास्थ्य को बेहतर बना रही है, बल्कि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है। यदि इसी तरह जागरूकता और सेवाओं का विस्तार होता रहा, तो आने वाले समय में यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

नामित सदस्यों का शपथ ग्रहण, नगर विकास को लेकर जताई प्रतिबद्धता

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के मुख्य कार्यालय परिसर स्थित शहीद सुन्दरलाल पार्क में बुधवार को एक गरिमामय शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने की जबकि उपजिलाधिकारी सदर विपिन कुमार द्विवेदी ने नामित सदस्यों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

समारोह में शासन द्वारा नामित पांच सदस्यों रणजीत सिंह सन्त, प्रदीप जायसवाल, रवि अग्रहरि, रेनू सिंह और मदन सोनकर को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। अपने संबोधन में पालिकाध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास अनुभाग-6, लखनऊ की अधिसूचना के तहत इन सदस्यों को नामित किया गया है। उन्होंने कहा कि नए सदस्यों के जुड़ने से नगर पालिका की कार्यक्षमता और जनसेवा का दायरा और मजबूत होगा। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए सुलतानपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करेंगे। कार्यक्रम के अंत में अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र सरोज ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। समारोह का संचालन सभासद प्रवीण मिश्र और दिनेश चौरसिया ने किया। इस मौके पर भाजपा के पदाधिकारी, नगर के गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

डॉक्टर के बेटे का आतंकी कनेक्शन? मुंबई से आई एटीएस ने वाराणसी में मारा छापा, 8 घंटे तक चली पूछताछ

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के आदमपुर थाना क्षेत्र के पठानी टोला में यूपी और महाराष्ट्र ATS की संयुक्त टीम मंगलवार सुबह 10 बजे पहुंची। टीम ने यहां एक डॉक्टर फैमिली को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। मामला डॉक्टर के बेटे अबु बकर से जुड़ा था। 19 साल का अबु बकर नीट की तैयारी करता है और उसका कनेक्शन एक कश्मीरी से होने के शक में ये पूछताछ हुई। ATS ने अबु बकर के साथ-साथ उसके डॉक्टर पिता और घर से दूसरे सदस्यों के भी लैपटॉप और मोबाइल को खंगाला।

ATS के साछ आईबी भी पहुंची

सूत्रों की मानें तो डॉक्टर आरिफ के बेटे अबु बकर पर एक कश्मीरी हैंडलर से वॉट्सऐप चैट के जरिए ऐसे लोगों से बातचीत करने का आरोप लगा है, जो पाकिस्तान के संदिग्ध लोगों के संपर्क में था। इसके बाद टीम पूछताछ के लिए वाराणसी पहुंची। महाराष्ट्र और यूपी एटीएस के साथ आईबी के भी लोग थे। करीब दर्जन भर अधिकारी और उनके सबऑर्डिनेट ने आठ घंटे तक पूछताछ की। शाम 6 बजे दस्तावेजों के साथ ATS और आईबी की टीम निकल गई।

अबु बकर नीट की तैयारी करता है। आसपास के लोगों ने बताया कि वो बेहद शालीन और पढ़ने-लिखने वाला लड़का है। कभी किसी झगड़े या विवाद में नहीं पड़ा, तो फिर ये कश्मीरी हैंडलर के संपर्क में कैसे आया? ये जरूर सोचने वाली बात है। फिलहाल डॉक्टर आरिफ का परिवार सकते में है। 22 अप्रैल को महाराष्ट्र ATS के सामने एक बार फिर से इनको हाजिर होना है।

संदिग्ध टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े थे!

जानकारी के अनुसार, मुंबई में दर्ज एक FIR की जांच के दौरान वाराणसी के युवक अबू बकर के बारे में ATS को पता चला। इसी लीड को ट्रेस करते हुए मुंबई और यूपी ATS की टीम आदमपुर क्षेत्र के नामी चाइल्ड चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर आरिफ के घर पर पहुंच गई। जानकारी के अनुसार, कश्मीर के एक संदिग्ध टेलीग्राम ग्रुप से एक आईडी का पता चला। इस चैनल के तार पाकिस्तान के तक जुड़े थे। इसी लिंक का राज जानने के लिए ये छपेमारी की गई।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा को लेकर सख्ती, 16 अप्रैल को अनिवार्य ऑनबोर्डिंग का निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जनपद में स्कूली वाहनों की सुरक्षा और वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। अपर मुख्य सचिव, परिवहन विभाग एवं परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देश पर 01 से 15 अप्रैल 2026 तक विशेष अभियान चलाया गया। जिसके तहत उ.प्र. मोटरयान नियमावली-1998 के अध्याय-9क का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है।

इस क्रम में विभाग द्वारा विकसित ऐप के माध्यम से स्कूल वाहनों की निगरानी की जा रही है। 15 अप्रैल 2026 तक जनपद के 3639 विद्यालयों को पोर्टल पर ऑनबोर्ड कर लिया गया है। वहीं, संचालित 1423 स्कूली वाहनों में से 901 वाहनों को ऑनबोर्ड किया गया और 807 वाहनों का निरीक्षण भी पूरा कर लिया गया है। सहायक सम्भागीय

परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अलका शुक्ला ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जिन विद्यालयों के वाहन अभी तक ऑनबोर्ड नहीं हुए हैं, वे 16 अप्रैल 2026 (गुरुवार) को अपने वाहनों एवं संबंधित सभी दस्तावेजों के साथ कार्यालय में उपस्थित होकर प्रक्रिया पूर्ण कराएं। चेतावनी दी गई है कि निर्धारित तिथि पर अनुपस्थित रहने वाले विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी मान्यता निलंबित करने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजा जाएगा।

समाज कल्याण विभाग एवं आरपीपीजी कॉलेज द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। समाज कल्याण विभाग एवं राणा प्रताप पी.जी. कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय "डॉ. आंबेडकर के सामाजिक न्याय एवं शैक्षिक विचारों की समकालीन प्रासंगिकता" रहा।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी.के. त्रिपाठी ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर केवल एक महान विधिवेत्ता ही नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के प्रखर चिंतक थे। उन्होंने शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को अपना लक्ष्य बनाया और समतामूलक समाज की स्थापना के लिए आजीवन संघर्ष किया। वर्तमान समय में उनके विचार युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं और हमें उनके

आदर्शों को आत्मसात कर समाज में समानता और न्याय की भावना को सुदृढ़ करना चाहिए। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर ने भारतीय संविधान के माध्यम से देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक आधार प्रदान किया। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए जो संघर्ष किया, वह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सजग रहकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन एवं विषय पर अपने विचार रखते हुए उप प्राचार्य प्रो. निशा सिंह ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के विचार आज भी सामाजिक समरसता और समान अवसर की दिशा में प्रकाश स्तंभ के समान हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय को व्यवहार में उतारना होगा, तभी उनकी जयंती मनाना सार्थक होगा। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के मुख्य सहायक आरजू नैय्यर सिद्दीकी, मुख्य अनुशास्ता प्रो. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. धीरेंद्र कुमार, प्रो. रंजना पटेल, डॉ. मंजू ठाकुर, डॉ. नीतू सिंह, डॉ. बीना सिंह, डॉ. शिशिर श्रीवास्तव, डॉ. प्रभात श्रीवास्तव, डॉ. शिव भोले मिश्रा, डॉ. विपिन शर्मा, विपिन सिंह, जितेंद्र कुमार यादव, धर्मेंद्र कुमार, सुजीत कुमार, सतेंद्र सिंह सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रेड क्रॉस सोसायटी की कार्यकारिणी भंग, यूनिफॉर्म रूल्स के तहत होगा पुनर्गठन

सुलतानपुर। जनपद में इंडियन रेडक्रास सोसाइटी की जिला इकाई को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुलतानपुर जिले की रेड क्रॉस सोसायटी की वर्तमान कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया है और अब इसका पुनर्गठन यूनिफॉर्म रूल्स के अनुसार किया जाएगा। यह कार्रवाई प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के सभापति ब्रजेश पाठक की मंशा के अनुरूप की जा रही है। जिलाधिकारी सुलतानपुर के निर्देशन में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट द्वारा इस संबंध में आधिकारिक सूचना जारी कर दी गई है। जारी सूचना के मुताबिक, रेड क्रॉस सोसायटी की नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया 30 अप्रैल 2026 को अपराह्न 3:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न कराई जाएगी।

एक हफ्ते तक प्रचंड गर्मी... दिल्ली में मौसम ने दे दी चेतावनी, इन 10 राज्यों में बारिश, पहाड़ों पर बर्फबारी का अलर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। देश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। एक ओर जहां उत्तर भारत में गर्मी तेजी से बढ़ रही है, वहीं कुछ राज्यों में बारिश का अलर्ट है। राजधानी दिल्ली में भीषण गर्मी का दौर अब शुरू होता नजर आ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आसमान साफ रहेगा और दिन के समय तेज धूप लोगों को परेशान करेगी। आने वाले सात दिनों तक कुछ ऐसा ही मौसम रहने वाला है । इस दौरान अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी और अधिक तीखी महसूस होगी।

पूर्वोत्तर राज्यों में मौसम का मिजाज बदला हुआ रहेगा। 15 से 18 अप्रैल के दौरान असम और मेघालय में बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। वहीं, 15 से 17 अप्रैल के बीच नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी इसी तरह का मौसम बना रहेगा। इन इलाकों में बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। अरुणाचल प्रदेश में 15 से 18 अप्रैल के दौरान बारिश और गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है, जबकि 15 अप्रैल को कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

उत्तर-पश्चिम भारत में बदलेगा मौसम

उत्तर-पश्चिम भारत के पहाड़ी राज्यों में भी मौसम सक्रिय रहेगा। 15 से 18 अप्रैल के दौरान जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बारिश की संभावना है। इस दौरान 40 से 50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। बर्फबारी भी हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में 17 से 19 अप्रैल के बीच इसी तरह का मौसम देखने को मिलेगा।

पूर्वी भारत में भी हल्की बारिश के आसार

पूर्वी भारत में भी मौसम पूरी तरह साफ नहीं रहेगा। 15 से 18 अप्रैल के दौरान पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 15 से 17 अप्रैल के बीच इसी तरह का मौसम बना रहेगा। ओडिशा में 17 से 20 अप्रैल के दौरान बारिश का अनुमान है। 40 से 50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। कर्नाटक में 15 और 16 अप्रैल को अलग-अलग जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक, देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान बढ़ने का ट्रेंड जारी रहेगा। उत्तर-पश्चिम भारत में 15 से 18 अप्रैल के दौरान अधिकतम तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। मध्य और पूर्वी भारत में भी 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक तापमान बढ़ने का अनुमान है। महाराष्ट्र में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे तैयार: 45 मिनट में तय होगा सफर, 28 अप्रैल को लोकार्पण की तैयारी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। लखनऊ और कानपुर का सफर पहले से और आसान होने वाला है। 64 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पूरी तरह तैयार हो चुका है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एनएचएआई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 28 अप्रैल को इसका लोकार्पण कराने की तैयारी कर ली है। प्रधानमंत्री कार्यालय से अंतिम मंजूरी का इंतजार है।पहले 21 अप्रैल को लोकार्पण का कार्यक्रम तय था।

एक्सप्रेसवे पर वाहन चालक अधिकतम 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सुरक्षित यात्रा कर सकेंगे। मौजूदा स्थिति में लखनऊ-कानपुर का सफर घंटों भरता है, लेकिन नए एक्सप्रेसवे पर यह यात्रा महज 45 मिनट में पूरी हो जाएगी। यह न केवल समय बचाएगा, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं को भी काफी हद

तक कम करेगा।

टोल टैक्स का ऐलान

सूत्रों के मुताबिक, एक्सप्रेसवे पर एक तरफ का टोल टैक्स 275 रुपये रखा गया है, जबकि आना-जाना रिटर्न का टोल 415 रुपये होगा। एनएचएआई ने स्पष्ट कर दिया है कि दो पहिया, तीन पहिया और अन्य हल्के वाहनों को इस एक्सप्रेसवे पर चलने की अनुमति नहीं होगी। केवल चार पहिया और भारी वाहनों को ही यहां यातायात की छूट होगी।

दो जोन में पूरा हुआ काम

जोन-1 (लखनऊ): 18।7 किलोमीटर

जोन-2 (उन्नाव): 45।3 किलोमीटर

पूरी 64 किलोमीटर लंबी परियोजना अब यातायात के लिए पूरी तरह तैयार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहले ही इसकी सराहना करते हुए कहा था कि एक्सप्रेसवे को जल्द ही जनता के लिए खोल दिया जाएगा। एक्सप्रेसवे को दो महत्वपूर्ण स्थानों पर इंटरचेंज बनाकर जोड़ा गया है।

कानपुर-लखनऊ हाईवे

उन्नाव-लालगंज (रायबरेली) हाईवे

(यात्री जाजमऊ गंगा पुल या गंगा बैराज होते हुए आजाद मार्ग चौराहा से एक्सप्रेसवे पर आसानी से चढ़ सकेंगे। इसी तरह उतरने की भी सुविधा होगी।) एनएचएआई के सूत्रों ने बताया कि एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को पूरी तरह ध्यान में रखा गया है। यह एलिवेटेड स्ट्रक्चर होने के कारण ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाएगा और लखनऊ-कानपुर कॉरिडोर को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगा।यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और औद्योगिक शहर कानपुर को नई गति देगा। व्यापार, रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

टीपीएल की जिला विजेता टीम को किया सम्मानित

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बक्सा विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत बीआरसी बक्सा पर खंड शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव द्वारा टीचर प्रीमियर लीग (टीपीएल) के आठवें संस्करण की जिला विजेता टीम ब्लॉक बक्सा के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिसमें कोच रामनयन यादव के साथ टीम के कप्तान रवितोष यादव व सभी खिलाड़ी सम्मिलित थे। सम्मान समारोह में खंड शिक्षा अधिकारी नीरज श्रीवास्तव के साथ चयन समिति के सदस्य डॉ मनीष सिंह सोमवंशी, विजय श्रीवास्तव के साथ ब्लॉक व्यायाम शिक्षक राय साहब सिंह, सभापति यादव जिला संयुक्त मंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ शैलेंद्र सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष बक्शा सरोज कुमार सिंह, जिला संगठन मंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ सुनील कुमार प्रजापति,

ब्लॉक मंत्री जूनियर शिक्षक संघ बक्शा संजय कुमार ने टीम के कप्तान रवितोष यादव व मैन आफ द मैच विपिन यादव के साथ सभी खिलाडियों को माला पहनाकर सम्मानित किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा की बक्शा ब्लॉक के खिलाड़ियों में खेल के प्रति बहुत ऊर्जा है, ये ट्राफी लगातार मेहनत का परिणाम है। ब्लॉक अध्यक्ष बक्सा सरोज कुमार सिंह ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि जीत का यह क्रम लगातार चलता रहना चाहिए, इसमें संगठन का जो भी सहयोग होगा उसके लिए हम लोग हमेशा तत्पर रहेंगे।सम्मान समारोह में डॉक्टर विजय प्रकाश यादव, ब्रात्मशील यादव, दीप नारायण उपाध्याय, वेद प्रकाश सिंह, बृजेश यादव, धीरेंद्र यादव, वीरसेन यादव, वीरेंद्र बहादुर यादव, प्रवीण सिंह, शशांक सिंह, व बीआरसी के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

हरदम कांपते रहते हैं हाथ-पैर, आपको पार्किंसंस रोग तो नहीं?

पार्किंसंस रोग दिमाग से जुड़ी ऐसी स्थिति है जिसमें मस्तिष्क धीरे–धीरे डोपामिन नामक केमिकल बनाना कम कर देता है। यही डोपामिन शरीर की मूवमेंट को नियंत्रित करने में मदद करता है।

क्या आपके भी आसपास कोई ऐसा है जिसके हाथ-पैर अक्सर कांपते रहते हैं? आमतौर पर इसे बढ़ती उम्र का असर मानकर अनदेखा कर दिया जाता है, पर क्या आप जानते हैं कि कुछ स्थितियों में ये पार्किंसंस रोग जैसे न्यूरोलॉजिकल समस्या का संकेत तक हो सकता है।

हाथ-पैर कांपने पर कंट्रोल न होने, शरीर के धीरे-धीरे सुस्त पड़ने और सामान्य काम-काज में दिक्कत होते रहने को केवल कमजोरी मानकर अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। ये पार्किंसंस जैसी गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी का संकेत भी हो सकता है। पहले ये समस्याएं केवल बुजुर्गों की मानी जाती थीं हालांकि कई रिपोर्ट्स में इसे युवाओं में भी बढ़ता बताया जा रहा है। कहीं आप भी तो पार्किंसंस रोग का शिकार नहीं हैं?

पार्किंसंस रोग के बारे में जान लीजिए

पार्किंसंस रोग तंत्रिका तंत्र से जुड़ा ऐसा विकार है जो समय के साथ और बढ़ता जाता है। तंत्रिका तंत्र ही शरीर में होने वाली हर हलचल को कंट्रोल करती हैं, इसलिए तंत्रिकाओं में होने वाली किसी भी समस्या का असर शरीर के सामान्य कामकाज पर पड़ सकता है।

पार्किंसंस रोग में कंपन होना आम है, लेकिन इस विकार के कारण कुछ लोगों को शरीर में अकड़न, गतिविधियों में धीमापन और संतुलन से संबंधित दिक्कतें भी हो सकती हैं।

पार्किंसंस रोग वालों के गिरने का खतरा भी ज्यादा होता है, जिससे ज्यादा उम्र के लोगों में फ्रैक्चर होने की समस्या बढ़ जाती है।

चिंताजनक बात ये है कि अब तक इस रोग का कोई इलाज भी नहीं है, सिर्फ इसके लक्षणों को ठीक करने के लिए दवाएं और थेरेपी दी जाती हैं।

क्यों होती है ये दिक्कत?

मस्तिष्क में न्यूरॉन्स नामक तंत्रिका कोशिकाओं की क्षति इस रोग का कारण बनती है। इसके अलावा मस्तिष्क में डोपामाइन नामक न्यूरोट्रांसमीटर की कमी भी इस रोग को बढ़ाने वाली हो सकती है।

डोपामाइन की कमी से मस्तिष्क के काम करने का तरीका अनियमित हो जाता है।

इससे चलने-फिरने में समस्या होने के साथ कई अन्य तरीके की दिक्कतें भी होती रहती हैं।

पार्किंसंस रोग से पीड़ित लोगों में नॉरएपिनेफ्रिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर की भी कमी देखी जाती है, जो रक्तचाप जैसे कई शारीरिक कार्यों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है।

हालांकि पार्किंसंस रोग असल में होता क्यों है इसे अभी तक अच्छे से समझा नहीं जा सका है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जीन और कुछ तरह के पर्यावरणीय कारक जैसे विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने से इसका खतरा हो सकता है।

कैसे जानें किसी को पार्किंसंस रोग तो नहीं?

पार्किंसंस मुख्यरूप से नर्वस सिस्टम डिसऑर्डर है जिसमें मोटर और नॉन-मोटर लक्षण दिखते हैं। इसके मुख्य लक्षणों में कंपकंपी, यहां तक कि आराम करते समय भी हाथ-पैर कांपते रहने की दिकक्त हो सकती है।

कई लोगों की मांसपेशियों में अकड़न और पोस्चर में गड़बड़ी भी हो सकती है।

सूंघने की क्षमता में कमी, नींद में गड़बड़ी और पोस्चर की दिक्कत भी ऐसे लोगों में ज्यादा देखी जाती रही है।

क्या इस रोग से बचा जा सकता है?

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि पार्किंसंस रोग से बचाव का कोई तरीका नहीं है। हालांकि आप नर्वस सिस्टम को स्वस्थ रखने के लिए लाइफस्टाइल और खान-पान को ठीक करके जरूर लाभ पा सकते हैं।

पार्किंसंस रोग का पूरी तरह इलाज संभव नहीं है, लेकिन समय पर पहचान और सही उपचार से इसके कारण होने वाली दिक्कतों को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। अगर शरीर में लगातार कंपन, मूवमेंट स्लो होने या संतुलन बिगड़ने जैसी दिक्कतें महसूस हों तो इसे सामान्य समझने की गलती न करें।

कई बार हाथों का मामूली कांपना बड़ी बीमारी का शुरुआती संकेत भी हो सकता है। समय पर डॉक्टरी सलाह की मदद से आप इसके जोखिमों को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

स्वस्थ दांतों के लिए आजमाएं ये 5 आसान और प्रभावी तरीके

दांत हमारे चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ खाने को चबाने और पाचन में मदद करने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में दांतों का सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। इसके लिए रोजाना ब्रश करना, फ्लॉसिंग करना और समय-समय पर दांतों के डॉक्टर के पास जाना जरूरी है। इसके अलावा खाने-पीने की आदतों पर भी खास ध्यान देना चाहिए। आइए आज हम आपको दांतों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं।

दांतों को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना दो बार साफ करना जरूरी है। सुबह और रात को सोने से पहले दांतों को ब्रश करना चाहिए। इससे मुंह की सफाई होती है और कीटाणु पनपने का मौका नहीं मिलता। ब्रश करते समय हल्के हाथ से ब्रश को आगे-पीछे घुमाना चाहिए ताकि दांतों के हर कोने तक पेस्ट पहुंचे। इसके अलावा ब्रश करते समय मसूड़ों को भी हल्के हाथ से मसलना चाहिए ताकि खून का बहाव बेहतर हो सके।

फ्लॉस से सफाई दांतों के बीच की सफाई के लिए जरूरी है। ब्रश से हर जगह तक पहुंचना मुश्किल होता है, खासकर जब दांतों के बीच में खाना फंस जाता है तो फ्लॉस से उसे निकालना आसान होता है। इसके लिए फ्लॉस का इस्तेमाल करें और धीरे-धीरे दांतों के बीच में डालकर खींचें। इससे गंदगी और कीटाणु हटते हैं और दांतों की जड़ तक की सफाई होती है। नियमित फ्लॉस से सफाई से मसूड़ों का स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

मीठी चीजों का सेवन कम करें

मीठी चीजें जैसे चॉकलेट, केक, बिस्किट आदि खाने से दांतों में कीड़ा लगने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि इनमें मौजूद शक्कर कीटाणुओं को बढ़ावा देती है। इसलिए इनका सेवन कम से कम करें या फिर इनका विकल्प किसी सेहतमंद स्नैक जैसे फल या मेवे आदि को चुनें। इसके अलावा मीठे पेय पदार्थों का सेवन भी कम करें और पानी या दूध पीने की आदत डालें ताकि आपके दांत स्वस्थ रहें।

धूम्रपान न करें

धूम्रपान न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि यह आपके दांतों के लिए भी बुरा है। धूम्रपान करने से दांत पीले हो जाते हैं और मसूड़ों की बीमारी का खतरा बढ़ता है। इसलिए धूम्रपान से दूर रहें और अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इसे धीरे-धीरे छोड़ने का प्रयास करें। इसके अलावा तंबाकू उत्पादों का इस्तेमाल भी न करें क्योंकि ये भी आपके दांतों को नुकसान पहुंचाते हैं।

समय-समय पर डॉक्टर से जांच करवाएं

समय-समय पर डॉक्टर से जांच करवाना जरूरी है ताकि किसी भी समस्या का पता समय रहते चल सके। डॉक्टर आपको सही सलाह दे सकते हैं और जरूरत पड़ने पर उचित उपचार भी बता सकते हैं। कोशिश करें कि हर 6 महीने में एक बार डॉक्टर से मिलें और अपनी समस्याओं पर चर्चा करें। इन आसान तरीकों को अपनाकर आप अपने दांतों को स्वस्थ रख सकते हैं और उन्हें मजबूती प्रदान कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता और पाचन को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है शहद

आयुर्वेद प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति है, जो प्राकृतिक सामग्रियों और जड़ी-बूटियों का उपयोग करके सेहत को बढ़ावा देती है। आयुर्वेद में शहद को खास महत्व दिया गया है। इसका कारण है कि शहद में कई ऐसे गुण होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने और पाचन को सुधारने में मदद करते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि क्यों आयुर्वेद शहद को इतना अहम मानता है।

शहद में मौजूद खास गुण

शहद में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर को हानिकारक तत्वों से लड़ने में मदद करते हैं। ये हानिकारक तत्व शरीर में तनाव का कारण बनते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर सकते हैं। शहद का सेवन करने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और आप बीमारियों से जल्दी उबर सकते हैं। इसके अलावा शहद में मौजूद ये गुण पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाते हैं, जिससे खाना आसानी से पचता है।

संक्रमण से लड़ने में सहायक

शहद में ऐसे गुण होते हैं, जो संक्रमणों से बचाव करने में सहायक होते हैं। ये गुण शहद को एक प्राकृतिक दवा बनाते हैं, जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं। नियमित रूप से शहद का सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और आप बीमारियों से बच सकते हैं। इसके अलावा ये गुण शहद को पाचन तंत्र को भी सुधारने में मदद करते हैं।

सूजन कम करने में है फायदेमंद

आयुर्वेद के अनुसार, सूजन हमारे शरीर में कई समस्याओं का कारण बन सकती है। शहद में मौजूद विशेष तत्व सूजन को कम करने में मदद करते हैं। ये तत्व न केवल बाहरी सूजन बल्कि आंतरिक सूजन जैसे पेट दर्द और गैस की समस्या में भी राहत देते हैं। इस प्रकार शहद का सेवन करने से सूजन की समस्या में काफी सुधार हो सकता है और पाचन तंत्र भी बेहतर होता है।

पाचन को सुधारने में है मददगार

शहद में मौजूद विशेष गुण पाचन को सुधारने में मदद करते हैं। यह गुण पेट की अच्छी बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है, जिससे खाना आसानी से पचता है और गैस की समस्या कम होती है। इसके अलावा शहद का सेवन करने से पेट की जलन भी दूर होती है और आप हल्का महसूस करते हैं। इस प्रकार शहद का सेवन करने से पाचन तंत्र बेहतर होता है और पेट की समस्याओं में राहत मिलती है।

ऊर्जा प्रदान करने वाला स्रेत

शहद ऊर्जा प्रदान करने का एक बेहतरीन स्रोत है, जो दिनभर आपको सक्रिय रखता है। इसमें मौजूद तत्व तुरंत ऊर्जा देते हैं, जिससे आप थकान महसूस नहीं करते। इसके अलावा शहद में कुछ प्राकृतिक शर्करा होती है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करती है। इस प्रकार शहद का सेवन करने से न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है बल्कि पाचन तंत्र भी बेहतर होता है और आपको थकान नहीं होती।

क्या खाना न खाने से वजन कम होता है?

वजन कम करने के कई तरीके हैं, जिन्हें लोग फॉलो भी करते हैं। लेकिन सबसे आम तरीका है खाना कम कर देना या पूरी तरह से छोड़ देना। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये तरीका शरीर के लिए कितना नुकसानदायक साबित हो सकता है। इस आर्टिकल में हम इसी के बारे में बताने जा रहे हैं।

वजन कम करना किसी चैलेंज से कम नहीं है। आजकल लोग कई तरह की डाइट फॉलो करते हैं। एक्सरसाइज करते हैं और यहां तक की कुछ लोग तो खाना खाना ही छोड़ देते हैं। बहुत से लोगों को लगता है कि खाना स्किप करने से वजन तेजी से कम हो सकता है। भले ही ये तरीका जल्दी असर दिखाता हो लेकिन शरीर के लिए काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि अगर वे खाना कम कर देंगे या पूरी तरह बंद कर देंगे, तो उनका वजन तेजी से घटेगा।।शुरुआत में ऐसा होता हुआ भी दिख सकता है... ।वजन कुछ किलो तक कम भी हो जाता है। लेकिन से लंबे समय तक असरदार नहीं रहता है।

शरीर को मजबूत और एनर्जेटिक रहने के लिए कई सारे पोषक तत्वों की जरूरत होती है। लेकिन खाना छोड़ने या कम करने के बाद शरीर में पोषक की कमी होने लगती है, जो कई तरह की समस्याएं पैदा कर सकती है। अगर आप भी वजन कम करने के लिए खाना कम या पूरी तरह से छोड़ने का सोच रहे हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है। चलिए जानते हैं कि क्या वजन कम करने के लिए खाना छोड़ देना सही है?

वेट लॉस के लिए खाना छोड़ देना कितना सही?

वजन कम करने के लिए मील स्कीप करना एक कॉमन तरीका जरूर है। लेकिन रिसर्च बताती है कि ये न तो सबसे सही तरीका है और न ही हमेशा असरदार। NCBI के की एक रिपोर्ट में पाया गया है कि जब लोग एक या ज्यादा मील छोड़ते हैं, तो उनकी कुल कैलोरी तो कम हो जाती है, लेकिन डाइट की क्वालिटी भी खराब हो जाती है। जैसे फल, प्रोटीन और जरूरी पोषक तत्व कम हो जाते हैं। इससे वजन थोड़ा घट तो सकता है, लेकिन शरीर को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है।

ओवरइटिंग का खतरा बढ़ सकता है

कुछ मामलों में ये उल्टा अलर भी दिखाने लगता है। जैसे अगर कोई सुबह का ब्रेकफास्ट छोड़ देता है तो उसे लंच में ज्यादा भूख लगती है और वो व्यक्ति ज्यादा खा लेता है। ऐसे ही अगर वो दोपहर का लंच छोड़ता है तो रात को ज्यादा खाने की तलब लगती है, जिससे ओवरइटिंग का खतरा बढ़ जाता है।

मेटाबॉलिज्म हो सकता है स्लो

कुछ स्टडी बताती हैं कि कम समय की फास्टिंग से मेटाबॉलिज्म थोड़ा बढ़ा सकता है। लेकिन लंबे समय तक भूखे रहने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो सकता है। शॉर्ट टर्म फायदा दिख सकता है, लेकिन लॉन्ग टर्म में नुकसान होना तय है।

कुछ मामलों में वजन बढ़ भी सकता है

कुछ रिसर्च में पाया गया है कि लंबे समय तक खाना छोड़ने से शरीर में इंसुलिन रेसिस्टेंस और पेट की चर्बी बढ़ सकती है। यानी वजन घटने के बजाए बढ़ भी सकता है। यानी कुल मिलाकर कहें तो वेट लॉस के लिए खाना छोड़ना नहीं बल्कि बैलेंस डाइट लेना जरूरी है।

सोने-चांदी की कीमतों में अचानक आई भारी गिरावट, औंधे मुंह गिरे भाव

हफ्ते के पहले ही दिन यानी सोमवार को सर्राफा बाजार से ग्राहकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। शुरुआती रुझानों में सोने और चांदी दोनों ही बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। अगर आप भी शादी-ब्याह या किसी अन्य मौके के लिए गहने खरीदने का मन बना रहे हैं, तो यह आपके लिए एक अच्छा अवसर साबित हो सकता है।

वायदा बाजार में भी लुढ़के दोनों धातुओं के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (रूष्टङ्क) पर सोमवार सुबह दोनों धातुओं के भाव लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। सुबह 10:15 बजे के आंकड़ों के अनुसार, 5 जून 2026 की डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध में बीते सत्र के मुकाबले 0.63 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिसके बाद इसका भाव 1,51,686 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं, चांदी की कीमतों में सोने से भी ज्यादा गिरावट देखी गई। 5 मई 2026 की डिलीवरी वाले चांदी के अनुबंध की कीमत 2.10 प्रतिशत टूटकर 2,38,163 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई।

देश के प्रमुख महानगरों में आज के ताजा रेट

हाजिर बाजार में भी देश के प्रमुख शहरों में सोने के दामों में बदलाव देखने को मिला है। राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां 24 कैरेट सोने का भाव 15,261 रुपये प्रति ग्राम है, जबकि 22 कैरेट 13,990 रुपये और 18 कैरेट 11,449 रुपये प्रति ग्राम बिक रहा है। आर्थिक राजधानी मुंबई के साथ-साथ कोलकाता और बेंगलुरु में सोने के दाम एक समान रहे। इन तीनों शहरों में 24 कैरेट सोना 15,246 रुपये, 22 कैरेट 13,975 रुपये और 18 कैरेट 11,434 रुपये प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं, चेन्नई में सोना अन्य शहरों के मुकाबले थोड़ा महंगा बिक रहा है। यहां 24 कैरेट सोने का भाव 15,338 रुपये, 22 कैरेट 14,060 रुपये और 18 कैरेट 11,730 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तनाव के बीच घटे दाम

वैश्विक बाजार की बात करें तो ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स के आंकड़ों के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सोमवार को सोने की कीमतों में करीब 2 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के बाद सोना 4,700 डॉलर प्रति औंस के अहम स्तर से नीचे खिसक गया है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले सप्ताह की भारी तेजी के बाद यह गिरावट मुख्य रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के कारण आई है। अमेरिका द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध लगाने की योजना और ईरान के साथ वार्ता विफल होने के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट को लेकर चिंताएं काफी बढ़ गई हैं, जिसका सीधा असर अब सर्राफा बाजार की चाल पर देखने को मिल रहा है।

रेलवे नौकरी अलर्ट : केआरसीएल में 2 पदों पर भर्ती जारी, 63 साल तक के उम्मीदवार कर सकते हैं आवेदन

भारतीय रेलवे में नौकरी करने की इच्छा रखने वालों के लिए कोंकण रेलवे निगम लिमिटेड (केआरसीएल) ने वर्क मैनेजर और असिस्टेंट वर्क मैनेजर के कुल दो पदों पर भर्ती के लिए अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर वैकेंसी निकाली है।

केआरसीएल की ओर से जारी पदों के लिए ऑनलाइन (ईमेल) के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 10 अप्रैल से शुरू हो गई है और आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने की सोच रहे हैं, उन्हें तय समय सीमा के भीतर अपना एप्लीकेशन फॉर्म जमा करने की सलाह दी जाती है।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त (एआईसीटीई) विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स/मैकेनिकल/प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स भारतीय रेलवे/भारतीय रेलवे के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सेवानिवृत्त यांत्रिक विभाग के अधिकारी होने चाहिए। इसके अलावा कैंडिडेट्स के पास तय सालों का अनुभव होना भी अनिवार्य है।

उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 63 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 10 अप्रैल के आधार पर की जाएगी। वहीं, चयनित अभ्यर्थियों की सैलरी 39,100 से 15,600 रुपए के बीच प्रति माह होगी। इसी के साथ कैंडिडेट्स को अन्य लाभ और भत्ते भी दिए जाएंगे। वहीं, उम्मीदवारों की पोस्टिंग वडालापुडी कार्यशाला, विशाखापत्तनम में होगी।

आवेदन करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले केआरसीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद संबंधित पद के लिए जारी ऑफिशियल नोटिफिकेशन लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद अधिसूचना में दिए गए एप्लीकेशन फॉर्म को डाउनलोड कर उसका प्रिंट आउट निकाल लें। फिर फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारियों को दर्ज करें। मांगे गए सभी डॉक्यूमेंट्स को आवेदन के साथ अटैच करें। फिर रजिस्ट्रेशन फॉर्म को सभी संबंधित डॉक्यूमेंट्स के साथ एक ही फाइल में नोटिफिकेशन में दिए गए ईमेल आईटी पर तय लास्ट डेट के शाम 05.30 बजे तक या उससे पहले मेल कर दें। वहीं, लास्ट में आवेदन पत्र का प्रिंट आउट भविष्य के संदर्भ के लिए सुरक्षित निकालकर रख लें।

स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देगी सरकार, जारी करेगी 10,000 करोड़ रुपये

देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सरकार अब 10,000 करोड़ रुपये के साथ स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 की शुरुआत करने जा रही है। यह कोष प्रौद्योगिकी, प्रारंभिक विकास चरण और नवाचार आधारित विनिर्माण स्टार्टअप का समर्थन के लिए है। सरकार ने इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसका उद्देश्य देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए उद्यम और विकास पूंजी जुटाना है। इसके लिए अनुभवी लोगों को लेकर उद्यम पूंजी निवेश समिति बनाएगा।

योजना की निगरानी के लिए तंत्र भी बनेगा

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग इस समिति की संरचना और संचालन संबंधी दिशा-निर्देश जारी करेगा। योजना के अमल के लिए मजबूत निगरानी और निरीक्षण तंत्र भी बनेगा। इसमें सरकार और संस्थागत निवेशकों द्वारा सह-निवेश के प्रावधान भी शामिल किए गए हैं। यह योजना देश की आर्थिक दृढ़ता को मजबूत करने, विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने, उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियों का सृजन करने और भारत को एक वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने में योगदान देगी।

तिपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी बढ़ी

पश्चिमी एशिया संकट के चलते ऊर्जा क्षेत्र में आई परेशानियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है। इसके तहत पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत तिपहिया इलेक्ट्रिक वाहन यानी ई-रिक्शा, ई-कार्ट आदि के लिए सब्सिडी की समय सीमा 31 मार्च, 2028 तक बढ़ा दी गई है। इसी तरह, पंजीकृत दुपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए के लिए सब्सिडी की आखिरी तिथि 31 जुलाई, 2026 की गई है।

भारी उद्योग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हनीफ कुरैशी ने अंतर मंत्रालयी ब्रीफिंग में बताया कि सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण और अपनाने को बढ़ावा दे रही है। यह केवल ऊर्जा सुरक्षा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत तिपहिया रिक्शा के लिए सब्सिडी मार्च 2026 तक थी, अब इसे दो साल बढ़ाकर मार्च 2028 तक कर दिया गया है। इसी तरह इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए लिए सब्सिडी 31 जुलाई तक कर दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई समस्याओं को देखते हुए ट्रकों और बसों के लिए चरणबद्ध निर्माण कार्यक्रम दिशानिर्देशों में छह महीने की छूट दी गई है।

अमेरिकी सीनेटर ने ट्रंप से ओपीटी कार्यक्रम खत्म करने की अपील की, कहा– हमारे युवाओं के रोजगार पर पड़ रहा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में विदेशी छात्रों से जुड़े एक अहम वर्क परमिट कार्यक्रम को लेकर सियासत तेज हो गई है। रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी)' प्रोग्राम को खत्म करने की अपील की। उनका दावा है कि यह योजना अमेरिकी युवाओं के रोजगार पर असर डाल रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकती है, खासकर चीन के संदर्भ में।

सीनेटर स्कॉट ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि यह कार्यक्रम तुरंत ध्यान देने वाला मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी छात्रों को मिलने वाले ये वर्क परमिट न सिर्फ अमेरिकी ग्रेजुएट्स के नौकरी के अवसर कम करते हैं, बल्कि इनका दुरुपयोग भी हो रहा है। स्कॉट ने खासतौर पर चीन का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक 'स्वयं घोषित दुश्मन देश' है, जो इस व्यवस्था का फायदा उठा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में युवा ग्रेजुएट्स की नौकरी की स्थिति पहले जैसी नहीं रही। पहले नए ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम लोगों से कम होती थी, लेकिन 2020 के बाद से यह स्थिति बदल गई है। खासकर एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स) क्षेत्र में हालात और चिंताजनक बताए गए हैं। उनके मुताबिक, कंप्यूटर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम दर से लगभग दोगुनी है, जबकि कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट्स में यह 50 प्रतिशत ज्यादा है। सीनेटर रिक स्कॉट ने दावा किया कि ओपीटी प्रोग्राम इस समस्या को और बढ़ा रहा है। उनके अनुसार, इस समय 5 लाख से ज्यादा छात्र वीजा धारकों के पास ओपीटी वर्क परमिट हैं, जो उन्हें पढ़ाई के बाद भी अमेरिका में काम करने और अमेरिकी युवाओं से प्रतिस्पर्धा करने के मौके देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए सीनेटर स्कॉट ने कहा कि यह सिस्टम जासूसी और तकनीकी जानकारी के ट्रांसफर के लिए भी इस्तेमाल हो सकता है। उन्होंने बताया कि करीब 33,000 चीनी नागरिक एसटीईएम ओपीटी के तहत अमेरिका में काम कर रहे हैं, जिनमें से कई विश्वविद्यालयों और बड़ी टेक कंपनियों में काम करते हैं, जहां उन्हें संवेदनशील तकनीकी जानकारी तक पहुंच मिलती है। इसके अलावा, सीनेटर स्कॉट ने कहा कि ओपीटी प्रोग्राम का कोई स्पष्ट कानूनी आधार नहीं है और यह केवल नियमों के जरिए बनाया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसटीईएम ओपीटी विस्तार, एच-1बी वीजा की सीमाओं को दरकिनार करने का एक तरीका है।

'अमेरिका अभी पीछे हटा तो तेहरान को संभलने में लगेंगे 20 साल', ईरान युद्ध को लेकर ट्रंप का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्ष को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अगर अमेरिका इस समय अपनी कार्रवाई रोक देता है, तो ईरान को दोबारा खड़ा होने में करीब 20 साल लग सकते हैं। ट्रंप ने इस दावे के साथ संकेत दिया कि अमेरिकी दबाव और सैन्य रणनीति ने ईरान की क्षमताओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि मौजूदा हालात में अमेरिका की कार्रवाई निर्णायक स्थिति में पहुंच चुकी है। उनका कहना था कि यह दबाव ही है जिसने ईरान को कमजोर किया है और अगर इसे अभी जारी रखा गया तो संघर्ष जल्द खत्म हो सकता है। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि उनकी प्राथमिकता ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका ने समय पर हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो ईरान अब तक परमाणु शक्ति बन चुका होता, जिससे वैश्विक संतुलन पर गंभीर असर पड़ता।

ईरान को लेकर क्या बोले?

ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी ऐसे समझौते के पक्ष में नहीं हैं, जिससे ईरान को जीत का एहसास हो। उनका कहना है कि अमेरिका की रणनीति स्पष्ट है, ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना और उसे रणनीतिक रूप से कमजोर बनाए रखना।

होर्मुज को लेकर क्या दावा?

इस बीच, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने दावा किया है कि अमेरिका ने अपनी नाकेबंदी के पहले 24 घंटों में ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों से आने-जाने वाले सभी समुद्री ट्रैफिक को रोक दिया है। अमेरिका के अनुसार, यह कदम होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

शांति वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हुई

संघर्ष के बीच, इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई। हालांकि, ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि अगले दो दिनों में बातचीत का दूसरा दौर हो सकता है। उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कोशिशों से वार्ता को आगे बढ़ने की संभावना बनी है।

राजदूत पी हरीश बोले– दो-स्तरीय स्थायी सदस्यता गलत, भारत 'वीटो के अधिकार पर जी4 के प्रस्ताव' के साथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधारों की मांग को लेकर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत ने सुरक्षा परिषद में किसी भी तरह की भेदभावपूर्ण दो-स्तरीय स्थायी सदस्यता का विरोध किया है। हालांकि, भारत जी4 के उस प्रस्ताव पर सहमत हो गया है, जिसमें नए स्थायी सदस्यों के लिए वीटो पावर के इस्तेमाल को 15 वर्षों तक टालने की बात कही गई है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) की बैठक में कहा कि वीटो के साथ स्थायी श्रेणी का विस्तार सुरक्षा परिषद के वास्तविक सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि UNSC सुधार के ढांचे के तहत वीटो के साथ या बिना वीटो की एक नई श्रेणी बनाना पहले से चल रही उस चर्चा को और जटिल बना देगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि भारत जी4 के उस रुख से सहमत है जिसे ब्राजील के उप स्थायी प्रतिनिधि नॉर्बर्टो मोरेटी ने उनकी ओर से पेश किया था।

जी4 का लचीला प्रस्ताव

भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान के समूह जी4 की ओर से ब्राजील के उप स्थायी प्रतिनिधि नॉर्बर्टो मोरेटी ने यह प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि बातचीत को रचनात्मक बनाने और लचीलापन दिखाने के लिए जी4 का प्रस्ताव है कि नए स्थायी सदस्य तब तक वीटो का उपयोग नहीं करेंगे, जब तक कि 15 साल की समीक्षा के दौरान इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं ले लिया जाता। मोरेटी ने तर्क दिया कि वीटो के मुद्दे को सुरक्षा परिषद की पुरानी संरचना को बनाए रखने का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उनके अनुसार, नए स्थायी सदस्यों के आने से परिषद अधिक लोकतांत्रिक बनेगी।

ऐतिहासिक असंतुलन का हवाला

पी हरीश ने 1965 के सुधारों का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय केवल चार गैर-स्थायी सदस्य जोड़े गए थे, जिससे वीटो रखने वाले पांच स्थायी सदस्यों को सापेक्ष लाभ मिला। इससे स्थायी और गैर-स्थायी सदस्यों का अनुपात 5:6 से बदलकर 5:10 हो गया था। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अब स्थायी सदस्यों को जोड़े बिना सुधार किए गए, तो यह अनुपात और भी बिगड़ जाएगा और मौजूदा असमानता हमेशा के लिए बनी रहेगी।

विरोध और अन्य देशों की मांग

दूसरी ओर, इटली और पाकिस्तान जैसे देशों ने स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने का विरोध किया है। उनका दावा है कि अधिक देशों के पास वीटो पावर होने से परिषद की कार्यक्षमता कम हो जाएगी। वहीं, अफ्रीका समूह ने ऐतिहासिक अन्याय को खत्म करने के लिए नए सदस्यों के लिए तुरंत वीटो पावर की मांग की है। उनका तर्क है कि संयुक्त राष्ट्र के गठन के समय अधिकांश अफ्रीकी देश उपनिवेशवाद के शिकार थे और उन्हें स्थायी सदस्यता से बाहर रखा गया था।

'गहरा अविश्वास रातों-रात दूर नहीं हो सकता', अमेरिका-ईरान विवाद पर बोले उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने की कोशिशों के बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बड़ा बयान दिया है। एक कार्यक्रम में वेंस ने स्वीकार किया कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच दशकों पुराना गहरा अविश्वास है, जिसे रातों-रात हल नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ईरानी वार्ताकार समझौता करना चाहते थे उन्होंने आगे कहा कि उन्हें 'जिस स्थिति में हम अभी हैं, उसके बारे में बहुत अच्छा महसूस हो रहा है।'

बता दें कि जेडी वेंस ने हाल ही में पाकिस्तान में हुई उच्च स्तरीय सीधी वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। दशकों बाद दोनों देशों के बीच हुई इस आमने-सामने की बातचीत में 21 घंटे से अधिक समय तक मंथन हुआ। हालांकि यह दौर बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गया, लेकिन वेंस ने संकेत दिया है कि कूटनीति के दरवाजे अभी भी खुले हैं।

वार्ता के दौरान सबसे बड़ा गतिरोध ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रहा। अमेरिका ने यूरेनियम संवर्धन पर 20 साल की रोक (मोरेटोरियम) का प्रस्ताव रखा था, जबकि ईरान केवल पांच साल की रोक पर सहमत था। इसके अलावा प्रतिबंधों की अवधि, दीर्घकालिक गारंटियों को लेकर भी दोनों पक्षों में भारी मतभेद था।

दबाव की रणनीति और नाकाबंदी

पाकिस्तान वार्ता के विफल होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी (ब्लॉकडे) का आदेश दिया है। ट्रंप के इस कदम से क्षेत्रीय तनाव बढ़ने और वैश्विक तेल आपूर्ति में फिर से रुकावट आने की आशंकाएं बढ़ गई हैं, साथ ही दोनों पक्षों के लिए बातचीत की मेज पर लौटने की जरूरत भी और ज्यादा बढ़ गई है। इस सैन्य और आर्थिक दबाव का उद्देश्य वार्ता की मेज पर अमेरिका की पकड़ मजबूत करना है।

युद्ध की पृष्ठभूमि और संघर्ष विराम

यह युद्ध 28 फरवरी को तब शुरू हुआ था जब अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हमला किया, जिसके जवाब में ईरान ने इस्राइल और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। इस संघर्ष में अब तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं और लाखों विस्थापित हुए हैं। वर्तमान में दोनों देशों के बीच दो सप्ताह का संघर्ष विराम लागू है, जिसका अब केवल एक सप्ताह शेष बचा है। वेंस का मानना है कि यह समय विश्वास बहाली के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

गले लगाया, हालचाल जाना...अस्पताल में भर्ती चाचा से ऐसे मिले चिराग पासवान

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस राजधानी पटना के कंकड़बाग स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। इस बीच जैसे ही ये खबर सूचना केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान को मिली। वो सीधे दिल्ली से सीधा पटना पहुंचे और अस्पताल जाकर अपने चाचा का हाल-चाल जाना। इस दौरान वो चाचा के गले भी मिले। इस दौरान चिराग काफी भावुक नजर आए। अस्पताल के अंदर का वीडियो भा सामने आया है, जिसमें चिराग अपने चाचा से बात करते नजर आ रहे हैं।

चिराग ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

चिराग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा 'मेरे अभिभावक, चाचा श्री पशुपति कुमार पारस जी, आज सुबह से अस्वस्थ हैं। मैंने पटना के एक अस्पताल में जाकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उचित उपचार के लिए आवश्यक निर्देश और मार्गदर्शन प्रदान किया। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे शीघ्र स्वस्थ हो जाएं'।

'वो मेरे पिता समान हैं...'

अस्पताल में मुलाकात चिराग पासवान ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राजनीति अपनी जगह है, पशुपति पारस उनके लिए पिता के समान हैं। उन्होंने कहा कि वो यहां एक राजनेता के तौर पर नहीं, बल्कि एक बेटे के तौर पर अपने अभिभावक से मिलने आए हैं। चिराग ने ये भी कहा कि परिवार में भले ही वैचारिक मतभेद रहे हों, लेकिन सेहत और पारिवारिक रिश्तों के मामले में हम एक हैं।उन्होंने ने डॉक्टरों से अपने चाचा के समुचित इलाज को लेकर बात की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। दरअसल LJP के संस्थापक रामविलास पासवान के निधन के बाद पार्टी दो गुटों में बंट गई थी। रामविलास की विरासत को लेकर चिराग और उनके भाई पशुपति और बेटे चिराग के बीच विवाद हो गया था। लंबे समय तक दोनों के बीच बातचीत बंद थी, हालांकि अब पिछले कुछ समय से चाचा और भतीजे के बीच मनमुटाव कम होता नजर आ रहा है।

आप सांसद अशोक मित्तल के ठिकानों पर ईडी की रेड, गुरुग्राम और पंजाब में एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल और उनके बेटे के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की है। यह कार्रवाई पंजाब के जालंधर स्थित उनके आवास पर और गुरुग्राम में की जा रही है। हाल ही में आप ने राघव चड्ढा को हटाकर अशोक मित्तल को राज्यसभा का डिप्टी लीडर बनाया गया था।

ईडी ने अशोक मित्तल के 8 से 9 ठिकानों पर छापेमारी की है। सांसद और उसके बेटे के गुरुग्राम और पंजाब में छापेमारी की ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की। अशोक मित्तल एक यूनिवर्सिटी चलाते हैं, इसमें फंड से रिलेटेड कुछ गड़बड़ी पाई गई हैं। जानकारी के मुताबिक ईडी की टीम बुधवार सुबह करीब 9 बजे जालंधर स्थित उनके आवास पर पहुंची और छानबीन शुरु की। घर के बाहर पुलिसकर्मी तैनात हैं। ईडी की टीम दस्तावेजों के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस खंगाल रही है। फार्म हाउस में रेड चल रही है।

'बीजेपी ने पंजाब चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं'

इधर ईडी की इस कार्रवाई पर आम आदमी पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने साफ तौर पर बीजेपी पर निशाना साधा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि आगामी चुनाव को देखते हुए ये कार्रवाई हुई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने लिखा 'भाजपा ने पंजाब चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल के घर और विश्वविद्यालय पर ईडी की छापेमारी मोदी का विशिष्ट अंदाज़'।

'बीजेपी को जनता इसका जवाब देगी'

वहीं आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने भी इस कार्यवाई की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा 'मोदी जी ने पंजाब में चुनावों की तैयारी शुरू कर दी। लेकिन पंजाब के लोग ये बर्दाश्त नहीं करें। बीजेपी को इसका करारा जवाब देंगे।

'जहां चुनाव होता है भाजपा एजेंसियों को पहले भेज देती है'

वहीं आप सांसद संजय सिंह ने सोशल मीडिया पर कहा 'जहां-जहां चुनाव होता है भाजपा अपनी एजेंसियों को पहले भेज देती है। पंजाब चुनाव के पहले राज्य सभा में आप के उप नेता अशोक मित्तल के घर ईडी की छापेमारी उसी की एक शुरुआत है। इस खेल से कोई फ़ायदा नही। पंजाब में बुरी तरह हारेगी भाजपा'।

कौन है अशोक मित्तल

हाल ही में अशोक मित्तल तब सुर्खियों में आए थे, जब आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा को हटाकर उन्हें राज्यसभा में डिप्टी लीडर नियुक्त किया था। मित्तल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ था। उन्होंने कानून की पढ़ाई गुरु नानक देव विश्वविद्यालय से की। आप से जुड़कर उन्होंने पंजाब में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। साल 2022 में वे राज्यसभा पहुंचे थे। जहां उन्होंने कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी।

'फिल्म को लीक होते देखना बहुत मुश्किल है...' पूजा हेगड़े ने 'जन नायकन' पायरेसी पर जताया दुख

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' के फुटेज के इंटरनेट पर लीक होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। पूजा ने कहा कि फिल्म को अपने सामने लीक होते देखना बहुत बुरा है। साथ ही उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे फिल्म का इंतजार करें और इसे सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखें। पूजा हेगड़े ने बयान जारी करते हुए कहा, मेरे प्यारे दर्शकों, एक फिल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, क्रिएटिव रिस्क और पूरी टीम की निजी कुर्बानियों और मेहनत का नतीजा होती है। हमारी फिल्म को ऑनलाइन लीक होते देखना बहुत दुखद है। इसे लीक होते और गैर-कानूनी तरीके से शेयर होते देखना बहुत मुश्किल है। इससे सिर्फ कमाई का नुकसान नहीं होता, बल्कि हर कलाकार और टेक्नीशियन की मेहनत और इज्जत छीन ली जाती है। हम सभी इस बात के हकदार हैं कि विजय की आखिरी फिल्म को बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखें और उसका जश्न मनाएं। उन्होंने दर्शकों से अनुरोध किया, चलिए, थोड़ा इंतजार करते हैं। फिल्म सही समय पर रिलीज होगी। पायरेसी को बढ़ावा न दें। इसी तरह सिनेमा और कला जिंदा रहेंगे।

वहीं, फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शंस ने भी बयान जारी किया। प्रोड्यूसर्स ने कहा कि फिल्म के कुछ सीन और क्लिप गैर-कानूनी तरीके से लीक हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, टोरेंट या किसी भी माध्यम से लीक कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना, शेयर करना या स्टोर करना अपराध है और कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है।

प्रोडक्शन हाउस ने कहा, हमने जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक जांच के साथ लीक में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। हर अपराधी के खिलाफ बिना किसी अपवाद के सख्त आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। प्रोडक्शन हाउस ने आम जनता को सलाह दी कि लीक हुए कंटेंट को न खोलें, न स्टोर करें और न ही आगे शेयर करें। अगर किसी को ऐसे कंटेंट मिले तो उसे तुरंत डिलीट कर दें। 'जन नायकन' एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जो थलापति विजय की आखिरी फिल्म बताई जा रही है। फिल्म के डायरेक्टर एच. विनोद हैं।

राजा शिवाजी बन स्वराज्य के लिए लड़ेंगे रितेश देशमुख, दमदार टीजर ने सोशल मीडिया पर मचाया तहलका, संजय दत्त का दिखा खूंखार अवतार

बॉलीवुड में इन दिनों ऐतिहासिक फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। इसी बीच रितेश देशमुख की बड़ी फिल्म राजा शिवाजी चर्चा में आ गई है, जिसका टीजर आज रिलीज कर दिया गया है। टीजर ने आते ही दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है और सोशल मीडिया पर इसकी खूब तारीफ हो रही है। यह फिल्म मराठा साम्राज्य के महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर बनी है, जिसे बड़े लेवल पर पेश करने की तैयारी की गई है।

टीजर की शुरुआत संजय दत्त की दमदार आवाज से होती है, जो एक सवाल पूछते हैं, मराठा के मुकद्दर में मौत लिखी है या गुलामी? इसके बाद बगावत और संघर्ष की झलक दिखाई देती है। फिल्म में रितेश देशमुख छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आ रहे हैं और उनका अंदाज बहुत दमदार लग रहा है। फिल्म में शिवाजी और संभाजी की चुनौतियों और देश के लिए बलिदान को दिखाया गया है। इसके अलावा अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, फरदीन खान और जेनेलिया देशमुख जैसे कलाकारों की झलक भी देखने को मिली है और संजय दत्त विलेन के रूप में नजर आ रहे है।

बता दें, राजा शिवाजी फिल्म को रितेश देशमुख ने ही लिखा, डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है, जो उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। इसका म्यूजिक मशहूर जोड़ी अजय-अतुल ने तैयार किया है और सिनेमैटोग्राफी का काम संतोष सिवन ने संभाला है। फिल्म की शूटिंग वाई, महाबलेश्वर, सतारा और मुंबई जैसी लोकेशनों पर की गई है। इस प्रोजेक्ट की घोषणा फरवरी 2024 में हुई थी और अब यह 1 मई 2026 को ये सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। खास बात है कि रिलीज के समय इसका मुकाबला आमिर खान की प्रोड्यूस की गई फिल्म एक दिन से होगा, जिसमें जुनैद खान और साई पल्लवी नजर आएंगे।

भूत बंगला पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, मिला यू/ए सर्टिफिकेट ; फिल्म से कटा इतने मिनट का सीन

अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला को सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) से यू/ए 16+ सर्टिफिकेट मिल गया है। इसका मतलब है कि अब 16 साल से कम उम्र के बच्चे अपने माता-पिता के साथ यह फिल्म देख सकते हैं। इसके साथ ही फिल्म को सर्टिफिकेट मिलने से पहले सेंसर बोर्ड ने कई बदलाव करने को कहा, जिन्हें निर्माताओं ने मान लिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिलने के बाद भी निर्माताओं ने कुछ सीन हटाने को कहा है। उन्होंने कुल 63 सींस हटाए। सबसे बड़ा कट 'ओ सुंदरी' गाने के एक सीन का था, जो पूरे 1 मिनट 12 सेकंड का था।

'ओ रे ओ सांवरिया' गाने से भी 27 सेकंड काटे गए। इन सब कट्स के बाद फिल्म की लंबाई 10 मिनट 5 सेकंड कम हो गई। अब फिल्म की फाइनल लंबाई है 2 घंटे 44 मिनट 52 सेकंड है।

फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भूत बंगला के पेड प्रिव्यू शोज 16 अप्रैल की रात 9 बजे से शुरू हो जाएंगे। इस फिल्म को प्रियदर्शन ने निर्देशित किया है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, असरानी, परेश रावल, राजपाल यादव और तब्बू के अलावा कई कलाकार नजर आएंगे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com